दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सच्ची समझदारी यह नहीं कि हम हर बात का जवाब दें, बल्कि यह है कि हम यह पहचान सकें कि किस बात को अनसुना करना ही बेहतर है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-107 | झुंझुनू (राजस्थान) | गुरूवार, 12 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवार
Contact No.
9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आत्मसम्मान की कीमत और सम्मानपूर्ण समाज की आवश्यकता

मानव जीवन में सबसे महत्वपूर्ण यदि कोई संपत्ति है, तो वह है आत्मसम्मान और इज्जत। धन, पद और प्रतिष्ठा समय के साथ कम या ज्यादा हो सकते हैं, लेकिन यदि किसी व्यक्ति का आत्मसम्मान टूट जाए तो उसका जीवन भीतर से खाली हो जाता है। इसलिए कहा जाता है कि इज्जत बहुत महंगी चीज होती है, और इसे हर किसी से मिलने की उम्मीद करना भी उचित नहीं होता। समाज में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनकी सोच संकीर्ण होती है और जिनके संस्कार इतने कमजोर होते हैं कि उन्हें दूसरों की कद्र करना नहीं आता। ऐसे लोगों से सम्मान की अपेक्षा करना स्वयं को दुख देने के समान है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

दरअसल, सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से प्रकट होता है। जब कोई व्यक्ति आपकी उपस्थिति को महत्व देता है, आपकी बात को ध्यान से सुनता है और आपके विचारों की कद्र करता है, तभी वह सच्चा सम्मान होता है। लेकिन जहां आपकी बातों को अनदेखा किया जाए, आपकी मौजूदगी को महत्व न दिया जाए और आपके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई जाए, वहां बैठना या बने रहना अपने आत्मसम्मान को छोटा करने जैसा है। जीवन की सबसे बड़ी समझदारी यही है कि इंसान यह पहचान सके कि कौन सा वातावरण उसके लिए सम्मानजनक है और कौन सा नहीं। आज के सामाजिक जीवन में यह समस्या और अधिक दिखाई देने लगी है। लोग अक्सर किसी व्यक्ति की कद्र उसके चरित्र, ज्ञान या मानवीय गुणों के आधार पर नहीं करते, बल्कि उसके पद, पैसे या प्रभाव के आधार पर करते हैं। ऐसे वातावरण में कई बार योग्य और स्वाभिमानी लोग उपेक्षा का शिकार हो जाते हैं, जबकि चापलूसी और दिखावे करने वाले लोग आगे बढ़ जाते हैं। यह स्थिति समाज के लिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि जब सम्मान का आधार मूल्यों के बजाय स्वार्थ बन जाता है, तो समाज की नैतिकता कमजोर होने लगती है।

एक स्वाभिमानी व्यक्ति का सबसे बड़ा गुण यह होता है कि वह अपनी इज्जत के साथ कभी समझौता नहीं करता। वह जानता है कि किसी भी परिस्थिति में अपनी गरिमा बनाए रखना सबसे जरूरी है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह घमंडी या अहंकारी हो जाता है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि वह स्वयं को इतना सम्मान देता है कि किसी को भी अपने स्वाभिमान को ठेस पहुँचाने की अनुमति नहीं देता। आत्मसम्मान व्यक्ति को मजबूत बनाता है और उसे जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी डगमगाने नहीं देता। इतिहास और समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां लोगों ने अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए बड़े-बड़े त्याग किए हैं। चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी हों या समाज सुधारक, उन्होंने कभी अपने सम्मान को दांव पर नहीं लगाया। उनका मानना था कि जिस जीवन में सम्मान नहीं है, वह केवल अस्तित्व भर है, वास्तविक जीवन नहीं।

हालांकि, आत्मसम्मान की रक्षा करते समय यह भी जरूरी है कि व्यक्ति अपने भीतर विनम्रता और संतुलन बनाए रखे। कई बार लोग छोटी-छोटी बातों को भी अपमान समझकर प्रतिक्रिया देने लगते हैं, जो कि सही नहीं है। वास्तविक आत्मसम्मान वह होता है जो व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है, न कि उसे हर बात पर आक्रामक बना देता है। एक परिपक्व व्यक्ति यह समझता है कि किन परिस्थितियों में मौन रहना चाहिए और किन परिस्थितियों में अपने सम्मान के लिए खड़ा होना चाहिए। आज के समय में सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों में भी यह समझ विकसित करने की जरूरत है कि सम्मान एक दोतरफा प्रक्रिया है। यदि हम दूसरों से सम्मान चाहते हैं, तो हमें भी दूसरों को सम्मान देना सीखना होगा। जब समाज में पारस्परिक सम्मान की भावना विकसित होती है, तभी स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण बनता है।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हम कितने लोगों के बीच रहते हैं, बल्कि यह है कि हम किन लोगों के बीच रहते हैं। यदि हमारे आसपास ऐसे लोग हों जो हमारे विचारों का सम्मान करते हों, हमारी उपस्थिति को महत्व देते हों और हमारे आत्मसम्मान की रक्षा करते हों, तो वही सच्चा और संतोषजनक जीवन है। वहीं यदि किसी स्थान या समूह में हमें लगातार उपेक्षा और अपमान का सामना करना पड़े, तो वहां से सम्मानपूर्वक दूरी बना लेना ही बेहतर है। इसलिए हर व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि आत्मसम्मान कोई छोटी चीज नहीं है। यह व्यक्ति के व्यक्तित्व की नींव है। जिस जीवन में सम्मान और गरिमा बनी रहती है, वही जीवन वास्तव में सार्थक और सफल कहलाता है।

राजस्थान में बढ़ सकती हैं 70 विधानसभा सीटें:

स्पीकर बोले- 280 MLA के बैठने के लिए सदन में हॉल बनेगा, परिसीमन के बाद बढ़ेगी संख्या

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में 270 सीटें हो सकती हैं। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन में 70 सीटें बढ़ने का दावा किया है। इसके बाद कुल 270 विधानसभा सीट हो जाएंगी। विधानसभा स्पीकर ने कहा- जनगणना जल्द होने वाली है। विधानसभा में अभी 200 विधायक बैठते हैं। परिसीमन के बाद 70 नए विधायक भी जुड़ सकते हैं।

देवनानी ने कहा- भविष्य की जरूरत देखते हुए 280 विधायकों के बैठने की क्षमता का हॉल सदन में तैयार करवाया जाएगा। उसका स्ट्रक्चर तैयार है। विधायकों की संख्या बढ़ेगी, तब बढ़ेगी। लेकिन अभी युवा संसद, छात्र संसद सहित कई कार्यक्रम सदन में होते हैं। सदन में आईपैड लगे हैं। इन कार्यक्रमों में बच्चे आते हैं। बाहर के लोग आते हैं, वे इन्हें खराब कर देते हैं। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में अपनी किताब के विमोचन और 2 साल के अध्यक्ष के कामकाज के कार्यक्रम में देवनानी ने यह बात कही। स्पीकर के इस बयान के बाद परिसीमन से विधानसभा सीटों में होने वाली बढ़ोतरी और फेरबदल को लेकर सियासी चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल, राजस्थान में 1977 के बाद विधानसभा की सीटों की

विधानसभा में संसद की तर्ज पर बनेगा सेंट्रल हॉल

राजस्थान विधानसभा में सेंट्रल हॉल के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 14 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। विधानसभा में संसद की तर्ज पर सेंट्रल हॉल बनाया जाएगा। इसमें सभी दलों के विधायक बैठकर चर्चा कर सकेंगे। सेंट्रल हॉल में चाय-नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी होगी।

विधान परिषद के लिए बने हॉल को कराएंगे तैयार

विधानसभा के मौजूदा सदन में 200 विधायकों के बैठने की व्यवस्था है। परिसीमन के बाद साल 2028 में चुनाव होंगे। अगर 70 विधायकों की संख्या बढ़ती है तो मौजूदा सदन छोटा पड़ेगा। अभी विधानसभा में विधान परिषद के लिए भी सदन का स्ट्रक्चर बनाया हुआ है। उसे तैयार करवाकर मौजूदा सदन जैसा बनाया जाएगा। विधायकों की संख्या बढ़ने पर सदन की जगह बदलकर इसे काम लिया जाएगा।

राजस्थान में ऐसे बढ़ती गई विधानसभा सीटें

राजस्थान में साल 1977 में आखिरी बार सीटों की संख्या बढ़कर 200 हुई थी। इसके बाद से राजस्थान में विधानसभा सीटें नहीं बढ़ी हैं। साल 1952 में पहले विधानसभा चुनाव में राजस्थान में 160 विधानसभा सीटें थीं। 1957 के चुनाव में 16 सीटें बढ़ीं और 167 विधानसभा क्षेत्र हो गए।

10 साल बाद साल 1967 के चुनाव में फिर सीटों की संख्या 8 बढ़कर 184 की गईं।

परिसीमन से बदलेगा प्रदेश का सियासी नक्शा

जनगणना के बाद विधानसभा सीटों का परिसीमन होता है तो इससे प्रदेश की सियासी तस्वीर बदलेगी। विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ने से नए नेताओं को मौका मिलेगा। परिसीमन में कई सीटें एससी, एसटी के लिए आरक्षित होंगी। वहीं कई सीटें जनरल भी होंगी। कुछ विधानसभा क्षेत्र खत्म हो जाएंगे और नए विधानसभा क्षेत्र बनेंगे। एससी, एसटी के लिए ओपन कैटेगरी वाली सीटें आरक्षित होने से मौजूदा कई अनारक्षित वर्ग के नेताओं के निर्वाचन क्षेत्र छिन जाएंगे। नई सीटें बनने से कई नेताओं के लिए विधायक बनने के मौके बनेंगे। परिसीमन के लिए परिसीमन आयोग बनेगा। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के बाद विधानसभा क्षेत्रों के इलाकों में बदलाव से लेकर संख्या बढ़ने पर फैसला होगा।

अपना घर सेवा समिति महवा के महिला मंडल ने अपना घर आश्रम भरतपुर के लिए भेजी सेवा सामग्री

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल। समाजसेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए बुधवार को अपना घर सेवा समिति महिला मंडल महवा की ओर से जरूरतमंदों के लिए सेवा सामग्री भेजी गई। महिला मंडल के तत्वावधान में अपना घर आश्रम भरतपुर के लिए 100 स्टील के थाल, 100 स्टील की चम्मच, दो मिठाई के डिब्बे तथा एक यूनिट भोजन भिजवाया गया, ताकि आश्रम में रह रहे बेसहारा और जरूरतमंद लोगों को भोजन व्यवस्था में सहूलियत मिल सकें। महिला मंडल की इस पहल को क्षेत्र में सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है। समिति की महिलाओं ने बताया कि अपना घर आश्रम जैसे संस्थान समाज के उन लोगों के लिए सहारा बनते हैं जो जीवन की कठिन परिस्थितियों में

अपने परिवार से दूर या असहाय स्थिति में होते हैं। ऐसे लोगों की सेवा करना सामाजिक दायित्व के साथ-साथ मानवता का भी महत्वपूर्ण कार्य है। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए महिला मंडल ने सामूहिक रूप से यह सहयोग भेजा। कार्यक्रम के दौरान महिला मंडल की सदस्यों ने सेवा भाव के साथ भागीदारी निभाई और समाज में सहयोग व संवेदना की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर अपना घर सेवा समिति महिला मंडल की अध्यक्ष अंजू गोयल, महामंत्री रेनू गोयल, कोषाध्यक्ष अनुराधा गर्ग सहित सरोज खंडेलवाल, सरोज ताम्बी, आशा गोयल, बीना बंसल तथा कार्यकारिणी की अन्य महिला सदस्य मौजूद रहीं।

प्रीता हरित ने अपनी पुस्तक की प्रति सिंघानिया विश्वविद्यालय अध्यक्ष को भेंट की

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

पूर्व आयकर आयुक्त प्रीता हरित (आईआरएस) ने सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार (पूर्व आईएएस) को अपनी पुस्तक की एक प्रति भेंट की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैंपस निदेशक प्रो. पी. एस. जस्सल, सीएफओ एवं प्रो-वीसी श्री सुनील कुमार सोबती तथा रिसर्च विभाग के डीन डॉ. सुमेर सिंह भी उपस्थित रहे। सभी ने सुश्री प्रीता हरित के शैक्षणिक कार्य की सराहना की और उनके शोध को महत्वपूर्ण बताया। गौरतलब है कि प्रीता हरित सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी में डॉ. चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में 'बौद्ध धर्म में महिलाओं की भूमिका पर एक समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक अध्ययन' विषय पर पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शोध बौद्ध धर्म में महिलाओं के योगदान और उनकी सामाजिक स्थिति के ऐतिहासिक व समाजशास्त्रीय पहलुओं को समझने का प्रयास है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के केदार खींची बने अध्यक्ष वही गोठड़ा निवासी ईश्वर सिंह मेघवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी। डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी की झुंझुनूं जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें जसरापुर के पूर्व सरपंच एवं जसरापुर निवासी केदार खींची को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। नई कार्यकारिणी में गोठड़ा निवासी एवं दिल्ली पुलिस के पूर्व थानाधिकारी ईश्वर सिंह मेघवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, टोडी निवासी सीताराम सेवदा को सचिव तथा रवां निवासी शिवकुमार जेवरिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जिला कार्यकारिणी के गठन पर क्षेत्र के कई सामाजिक व गणमान्य लोगों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन से समाजहित में कार्य करने की अपेक्षा जताई। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वे डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को आगे बढ़ाने और समाज सेवा के कार्यों को प्राथमिकता देंगे।

ईश्वर सिंह, पूर्व थानाधिकारी व गोठड़ा निवासी

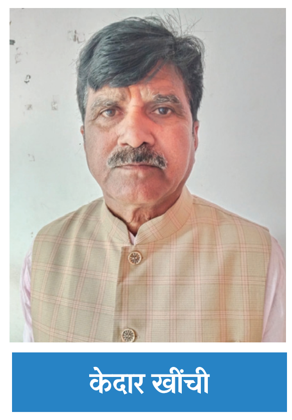

केदार खींची

बाछौद आदर्श महिला दुग्ध उत्पादक समिति बढ़ा रही सफेद क्रांति, चिलिंग प्लांट की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.अटेली।

मनोज बुलाण। बाछौद आदर्श महिला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति अटेली क्षेत्र में सफेद क्रांति को बढ़ावा देने के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। समिति से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं गांव में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ अपने परिवार की आजीविका भी सशक्त बना रही हैं। समिति में प्रतिदिन करीब 500 लीटर दूध का संग्रह किया जाता है, जिसमें सैकड़ों पशुपालक अपने गाय व भैंस का दूध सुबह-शाम जमा कराते हैं। समिति द्वारा एकत्रित दूध को वीटा डेयरी के माध्यम से आगे भेजा जाता है। समिति की प्रधान सुमन देवी, सचिव बीरमति, उपप्रधान विद्या देवी तथा सदस्य प्रियंका, भतेरी और रेशमा सहित अन्य महिलाएं मिलकर समिति का संचालन कर रही हैं। इन महिलाओं के लिए यह समिति स्वरोजगार का महत्वपूर्ण साधन बन गई है और क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दे रही है। कृषि विकास अधिकारी डॉ. वीर कुमार ने बताया कि सरकार दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह दुग्ध उत्पादक समिति धरातल पर अच्छा कार्य कर रही है। पशुपालन विभाग द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि वीटा एजेंसी द्वारा इस समिति को विशेष सहयोग दिया जाए, जैसे चिलिंग प्लांट और आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराई जाए, तो दूध की गुणवत्ता बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी और समिति और अधिक बेहतर कार्य कर सकेगी।गांव के सरपंच दिलबाग सिंह और संजय बागड़ी ने बताया कि यह समिति गांव में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती; 670 दिव्यांगों के दस्तावेज जांचे

पहला चरण 14 तक चलेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती 2024 की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का काम बुधवार को गोयनका स्कूल में शुरू हो गया। पहले चरण में दिव्यांगों को बुलाया। ये चरण 14 मार्च तक चलेगा। संयुक्त निदेशक संगीता मानवी ने बताया कि पहले दिन 750 अभ्यर्थियों को बुलाया गया, जिसमें 80 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। बचे हुए अभ्यर्थियों की जांच गुरुवार को होगी। इससे पहले सुबह 8 बजे ही अभ्यर्थी स्कूल के सामने पहुंच गए। दस्तावेज जांच का काम सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ। अभ्यर्थियों की बायोमैट्रिक हाजिरी ली गई। तीन सदस्यीय वाले 30 दलों की दस्तावेज सत्यापन टीम के अलावा 10 लोगों की टीम को रजिस्ट्रेशन के लिए लगाया गया। सहायक निदेशक महेंद्र बड़सरा, सहायक निदेशक प्रमेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। आवेदन सह स्क्रूटनी फॉर्म, दस्तावेजों की स्व-प्रमाणित प्रतियां और फीस की प्रति साथ लाएं। इसकी दो प्रतियां लाना आवश्यक है। शैक्षणिक योग्यता, आयु, जाति, मूल निवास, चरित्र, विशेष योग्यजन, विवाह, खेल, सेवारत होने पर सक्षम अधिकारी द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र, सभी आवश्यक मूल दस्तावेज, पहचान पत्र और दो नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाएं। क्यूआर कोड अंकित ई-आधार की प्रति साथ लाना आवश्यक है।

फैशन इंडस्ट्री में कॅरियर की हैं अपार संभावनाएं

यह करियर विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो फैशन ट्रेंड्स, स्केच डिजाइनों और कुछ ना कुछ नया और क्रिएटिव काम करना पसंद करते हैं। फैशन डिज़ाइनर का कोर्स एक क्रिएटिव कोर्स होता है। हर कोर्स ही तरह इस कोर्स में भी डिप्लोमा और डिग्री मिलती है। आज के समय में फैशन डिजाइनिंग एक क्रिएटिव और सबसे ज़्यादा लोकप्रिय कॅरियर में से एक है। यह कॅरियर विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो फैशन ट्रेंड्स, स्केच डिजाइनों और कुछ ना कुछ नया और क्रिएटिव काम करना पसंद करते हैं। फैशन डिज़ाइनर का कोर्स एक क्रिएटिव कोर्स होता है। हर कोर्स ही तरह इस कोर्स में भी डिप्लोमा और डिग्री मिलती है। फैशन डिज़ाइनर के कोर्स में डिप्लोमा और डिग्री दोनों ही की जाती है।

योग्यता

फैशन डिजाइनिंग कोर्स में एडमिशन लेने के लिए 12वीं में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए।कई कॉलेज फैशन डिजाइनिंग कोर्स में दाखिले के लिए एंट्रेंस टेस्ट आयोजित करते हैं. इस टेस्ट के अंक से आपको सेलेक्ट किया जाएगा। फैशन डिजाइनर बनने के लिए आप बी.डिजाइन, बीए (ऑनर्स) फैशन डिजाइन, फैशन डिजाइन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा, फैशन एंड लाइफ स्टाइल बिजनेस मैनेजमेंट में बीए (ऑनर्स), फैशन एंड टेक्सटाइल डिजाइन, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन फैशन टेक्नोलॉजी, मास्टर इन फैशन टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन फैशन टेक्नोलॉजी जैसे कोर्सेज कर सकते हैं.

जरुरी स्किल्स

एक फैशन डिजाइनर बनने के लिए आपको कपड़ों के रंगों और आकर का मेल करवाने की अच्छी समझ होनी चाहिए। आपको पैटर्न-कटिंग और सिलाई जैसे कामों की जानकारी होनी चाहिए।आपको नए फैशन ट्रेंड्स की जानकारी होनी चाहिए। आपको सिलाई-कढ़ाई और ज्वेलरी डिजाइनिंग का भी ज्ञान होना चाहिए।

फैशन डिजाइनिंग कोर्स पूरा होने के बाद अवसर

फैशन डिजाइनिंग कोर्स पूरा होने के बाद उम्मीदवार अपनी रुचि के आधार पर निम्नलिखित पदों पर नौकरियां कर सकते हैं -

फैशन डिजाइनर, फैशन स्टाइलिस्ट, फैशन कंसलटेंट , क्लॉथ डिज़ाइनर फैशन इलस्ट्रेटर स्टाइल एडिटर फैशन जर्नलिस्ट क्वालिटी एनालिस्टट्रेंड फोरकास्टरइवेंट मैनेजमेंट एंटरप्रेन्योर

फैशन डिजाइनिंग कोर्स के लिए कॉलेज

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिजाइन, नई दिल्ली
यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
पर्ल अकादमी, मुंबई और जयपुर
स्कूल ऑफ डिजाइन, नई दिल्ली
पॉलीटेक्निक फॉर वूमेन, फरीदाबाद
इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बैंगलोर

बढ़ने लगी है क्लाउड आर्किटेक्ट की डिमांड, इस फील्ड में बनाएं अपना भविष्य

क्लाउड कंप्यूटिंग सिर्फ एक तकनीक ही नहीं बल्कि एक क्रांति है। अधिकांश कंपनियों ने अपनी लागत कम करके क्लाउड कंप्यूटिंग की मदद से मुख्य व्यवसाय संचालन में बेहतर परिणाम प्राप्त किया है। कंपनियां संपूर्ण कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लाउड पर होस्ट कर सकती हैं। क्या आप क्लाउड आर्किटेक्ट के रूप में अपना कॅरियर बनाने के बारे में उत्सुक हैं? तो आइए आज हम क्लाउड आर्किटेक्चर में एक सफल कॅरियर बनाने के लिए आपके पास क्या-क्या आवश्यक स्किल होने चाहिए और क्लाउड आर्किटेक्ट के रोल तक पहुंचने के लिए आपको क्या-क्या करना चाहिए, इनके बारे में जानते हैं।

क्लाउड आर्किटेक्चर क्या है?

आर्किटेक्चर या वास्तुकला इमारतों और अन्य भौतिक संरचनाओं और वातावरण को डिजाइन करने का विज्ञान है। लेकिन क्या होता है जब हम किसी ऐसी तकनीक पर काम करते हैं जिसके लिए किसी भौतिक संरचना की आवश्यकता नहीं होती है? क्लाउड कंप्यूटिंग सिर्फ एक तकनीक ही नहीं बल्कि एक क्रांति है। अधिकांश कंपनियों ने अपनी लागत कम करके क्लाउड कंप्यूटिंग की मदद से मुख्य व्यवसाय संचालन में बेहतर परिणाम प्राप्त किया है। कंपनियां संपूर्ण कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लाउड पर होस्ट कर सकती हैं। हालाँकि, क्लाउड की वास्तुकला एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बनी हुई है। इसलिए क्लाउड आर्किटेक्ट कॅरियर पथ उम्मीदवारों के लिए आशाजनक कॅरियर में से एक है।

क्लाउड आर्किटेक्ट क्या होते हैं?

क्लाउड आर्किटेक्ट एक आईटी विशेषज्ञ होता है जिसे क्लाउड कंप्यूटिंग और मार्किट में इसकी भूमिकाओं और उपयोग का कंबाइंड नॉलेज होता है। वे आईटी क्षेत्र के भीतर एक महत्वपूर्ण स्थान लेते हैं और एक टीम का नेतृत्व करते हैं और अपने आर्गेनाइजेशन के कंप्यूटिंग क्लाउड से संबंधित एप्लिकेशन्स के निर्माण और डिप्लॉयमेंट में एक रणनीति बनाते हैं। वे आम तौर पर क्लाउड गतिविधि की निगरानी, डिजाइनिंग और माइग्रेट करने वाले ?प्लिकेशन्स और कई अन्य प्लानिंग एक्टिविटीज पर काम करते हैं।

क्लाउड आर्किटेक्ट प्रौद्योगिकी कंपनियों, निर्माण कंपनियों, डिजाइन फर्मों और कई अन्य कंपनियों में काम कर सकते हैं, जो क्लाउड कंप्यूटिंग तकनीक का उपयोग करते हैं। वे सीधे वरिष्ठ स्तर के प्रबंधन को रिपोर्ट करते हैं, जैसे निदेशक, मुख्य तकनीकी अधिकारी, आदि। श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, क्लाउड आर्किटेक्ट्स की मांग तेजी से बढ़ रही है और 2024 तक हर साल बारह हजार से अधिक पदों को खोलने की उम्मीद की जा रही है।

क्लाउड आर्किटेक्ट का जॉब डिस्क्रिप्शन

क्लाउड आर्किटेक्ट क्लाउड कंप्यूटिंग के कई पहलुओं, जैसे फ्रंट-एंड प्लेटफॉर्म से लेकर क्लाउड स्टोरेज तक के लिए नेटवर्क का प्रबंधन करते हैं। वे तकनीकी योजना, डिजाइन और सभी क्लाउड वातावरण के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसका मतलब यह है कि क्लाउड आर्किटेक्ट क्लाउड कंप्यूटिंग के तकनीकी और व्यावसायिक दोनों पक्षों पर काम करते हैं।

क्लाउड आर्किटेक्ट के प्रमुख जॉब डिस्क्रिप्शन इस प्रकार हैं...

- क्लाउड वातावरण की योजना बनाना और डिजाइन करना
- प्रोजेक्ट का विकास या डिप्लॉयमेंट के लिए मार्गदर्शन
- सिस्टम का स्वामित्व बनाए रखें
- संपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर में एक्सपेर्टीज़ की डिलीवरी
- रिलेवेंट सिस्टमको स्वीकार करना
- किसी व्यवसाय के लिए आवश्यक कार्यात्मकताओं और उसके प्रतिस्पर्धी लाभों को समझना
- व्यवसाय के लिए सही विक्रेताओं का चयन
- एपीआई और मानकों को अपनाना
- विभिन्न सप्लायर से प्राप्त घटकों का एकीकरण

विभिन्न टूल्स का ज्ञान

क्लाउड आर्किटेक्ट्स को अपने डेली गोल्स को पूरा करने के लिए निम्नलिखित टूल्स से परिचित होना चाहिए=

- प्रोग्रामिंग और कोडिंग लैंग्वेज
- एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफ़ेस मैनेजमेंट सिस्टम
- कैशिंग, क्यूइंग, नेटवर्क और सिक्योरिटी सिस्टम
- विजुअल पैराडाइम, क्लाउडक्राफ्ट, आर्केंट्री, एज़्योर, एड्रा जैसे टूल्स का ज्ञान एक एडेड एडवांटेज हो सकता है।
- टेलीकम्यूनिकेशन सिस्टम

क्लाउड आर्किटेक्ट कैसे बनें?

1. क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए बुनियादी आवश्यकता विज्ञान पृष्ठभूमि में स्नातक की डिग्री प्राप्त करना है, क्योंकि क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए बहुत कठिन और तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है।

2. क्लाउड आर्किटेक्ट एक एंट्री लेवल की पोजीशन नहीं है, बल्कि यह आमतौर पर मध्य-स्तर या मध्य-वरिष्ठ स्तर का करियर होता है। क्लाउड आर्किटेक्ट के रूप में अपना करियर शुरू करने से पहले आपके पास उचित आईटी अनुभव होना चाहिए, क्योंकि इसके लिए मजबूत तकनीकी कौशल, नेतृत्व और टीम प्रबंधन कौशल की आवश्यकता होती है।

3. क्लाउड आर्किटेक्ट केवल अनुभव प्राप्त करने के बारे में ही नहीं है बल्कि यह एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम की मदद से उनके कौशल को बढ़ाने के बारे में भी होता है। चुनने के लिए बहुत सारे सर्टीफिकेशन्स होते हैं।

सिर्फ कोचिंग ही नहीं, ये शिक्षण संस्थान भी हैं कोटा की पहचान

कोटा, राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक शहरों में से एक है। ये शहर चंबल नदी के तट पर बसा है। कोटा अनेक किलों, महलों, संग्राहलयों, मंदिरों और बगीचों के लिए लोकप्रिय है। लेकिन सबसे ज्यादा प्रसिद्ध अपने शिक्षण संस्थानों के लिए है। कोटा को भारत का कोचिंग कैपिटल भी कहां जाता है। छात्र देशभर से यहां आईआईटी और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने आते हैं। आज हम आपको बताएंगे कोटा के प्रमुख सरकारी शिक्षण संस्थानों के बारे में...

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय की स्थापना साल 2006 में हुई थी। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। विश्वविद्यालय की स्थापना यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोटा (जिसे पहले इंजीनियरिंग कॉलेज, कोटा के रूप में जाना जाता था) के परिसर में की गई थी। विश्वविद्यालय कोटा रेलवे स्टेशन से लगभग 14 किलोमीटर और कोटा बस स्टैंड से 10 किलोमीटर की दूरी पर रावतभाटा रोड पर स्थित है। विश्वविद्यालय वर्तमान में लगभग 68 इंजीनियरिंग कॉलेजों, 3 बी.आर्क, 16 एमसीए कॉलेजों, 39 एमबीए कॉलेजों, 31 एमटेक कॉलेजों, 1 एम.आर्च और 1 होटल प्रबंधन एवं खानपान संस्थान से संबद्ध है। विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न संस्थानों में 1.5 लाख से अधिक छात्र अध्ययन करते हैं।

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा की स्थापना साल 1992 में की गई थी। कॉलेज का छात्र संघ राजस्थान में प्रकाशित होने वाला एक मात्र मेडिकल समाचार पत्र %उद्यान% प्रकाशित करता है। बता दें कि गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा का अधिकतर भाग पेड़-पौधों से घिरा है।

कॉलेज की शुरुआत साल 1992 में ईएसआई अस्पताल के एक हिस्से में की गई थी। साल 1997 में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजस्थान के सबसे बड़े कैंपस में शिफ्ट हो गया। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, एमबीएस अस्पताल और जेके लोन अस्पताल के साथ भी संबद्ध है। शुरुआत में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में केवल 50 सीटें थी। जिसके बाद साल 2019 में ये बढ़कर 250 सीटें हो गई हैं। कॉलेज एमबीबीएस के अलावा एमडी/एमएस और सुपरस्पेशलिटी कार्यक्रम भी ऑफर करता है।

वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय

वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय के पहले कोटा मुक्त विश्वविद्यालय के नाम से भी जाना जाता था। इस विश्वविद्यालय का नाम 21 सितंबर 2002 को बदला गया। वर्धमान महावीर विश्वविद्यालय की स्थापना साल 1987 में राज्य में मुक्त शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय कोटा में है। लेकिन इसका परिचालन क्षेत्र पूरे राजस्थान में हैं। वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज के बड़े वर्ग को शिक्षा के अवसर प्रदान करना है। खासकर वो वर्ग जो लंबे समय से शिक्षा से दूर रहा है, ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोग और महिलाएं। वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय दूसरे विश्वविद्यालयों और संस्थानों खासतौर पर इग्नू से भी जुड़ने का भी प्रयास करता है, ताकि मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में नई व्यवस्था स्थापित की जा सके।

कोटा विश्वविद्यालय

कोटा विश्वविद्यालय को यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा अधिनियम 2003 के तहत स्थापित किया गया है। कोटा विश्वविद्यालय विभिन्न कोर्सेज में स्नातक और परास्नातक की डिग्रियां प्रदान करता है।

कोटा यूनिवर्सिटी द्वारा छह जिलों (कोटा, झालावाड़, बूंदी, बारां, करौली, सवाई माधोपुर) के 175 कॉलेज संबद्ध हैं। विश्वविद्यालय में छह विभाग हैं- आर्ट्स, साइंस, सोशल साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लॉ और एजुकेशन। यह एकमात्र विश्वविद्यालय है जो राज्य में वन्यजीव विज्ञान में परास्नातक कोर्स कराता है।

फॉरेंसिक साइंस में कॅरियर बनाकर अपराध के खिलाफ मुहिम में निभा सकते हैं भूमिका

फोरेंसिक विज्ञान में मास्टर डिग्री व्यक्तियों को फोरेंसिक विज्ञान उद्योग के भीतर उन्नत पदों के लिए तैयार करती है। इसमें ड्रग विश्लेषण, आपराधिक, जैविक साक्ष्य, डीएनए विश्लेषण, ट्रेस साक्ष्य, रक्त छींटे और विष विज्ञान आदि जैसे मुख्य विषय शामिल हैं। क्या आप मानव शरीर रचना विज्ञान और फोरेंसिक अध्ययन में रुचि रखते हैं? यदि हाँ, तो फोरेंसिक साइंस में कॅरियर आपके लिए सबसे अच्छा है। फोरेंसिक विज्ञान एक ऐसा विषय है जो हम में से अधिकांश को आकर्षित करता है। यह विज्ञान और आपराधिक न्याय का प्रमुख अध्ययन है। फोरेंसिक विज्ञान तकनीशियनों के पास आपराधिक जांच से संबंधित भौतिक साक्ष्य एकत्र करने, पहचानने, वर्गीकृत करने और विश्लेषण करने जैसे कौशल होने चाहिए। एक एस्पिरेंट के पास मजबूत तकनीकी कौशल, विश्लेषणात्मक कौशल, विज्ञान में विभिन्न क्षेत्रों की गहरी टिप्पणियों और ज्ञान होना चाहिए जो सबूत की पहचान करने में मदद करता है, अपराधी को गिरफ्तार करने और अपराध के बारे में पूछताछ करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करता है।

फॉरेंसिक साइंस क्या है?

फोरेंसिक विज्ञान आपराधिक जांच और कानूनी समस्याओं के लिए वैज्ञानिक ज्ञान और कार्यप्रणाली का अनुप्रयोग है। फोरेंसिक साइंस एक बहु-विषयक विषय है, जिसमें विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कि रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिकी, भूविज्ञान, मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, आदि शामिल हैं। फॉरेंसिक साइंस अनिवार्य रूप से एक अपराध प्रयोगशाला आधारित पेशा है। फोरेंसिक विज्ञान एक अपराध में हुई घटनाओं को दर्शाते हुए सटीक और उद्देश्यपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए वैज्ञानिक तकनीक का अनुप्रयोग है।

फॉरेंसिक साइंटिस्ट कैसे बनें

फॉरेंसिक साइंस, भौतिक अपराधों और उसके सबूतों का विश्लेषण करने के लिए इस्तेमाल किया गया विज्ञान का एक अहम् हिस्सा है। इसका उपयोग दुनिया भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा, कानूनों और नियमों को लागू करने और नागरिक विवादों को हल करने के लिए किया जाता है। फोरेंसिक विज्ञान अपराध को निष्कर्ष देने के लिए कई वैज्ञानिक और गणितीय तकनीकों का उपयोग करता है। फोरेंसिक वैज्ञानिक स्थानीय, राज्य और सरकारी स्तरों के लिए काम करते हैं।

यह कॅरियर उत्कृष्ट संचार कौशल वाले लोगों के लिए है, जो सूक्ष्मतम विवरण नोटिस करने की क्षमता रखते हैं। एक फोरेंसिक वैज्ञानिक या एक फोरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञ को कुशल होना चाहिए और वैज्ञानिक सबूत और डेटा की व्याख्या करने में रुचि होनी चाहिए।

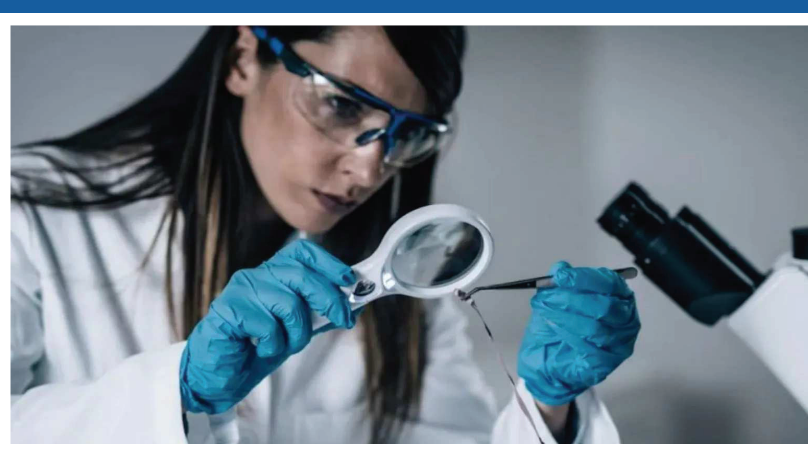

कोर्स और योग्यता

अंडरग्रेजुएट कोर्स (3 वर्ष)= फोरेंसिक विज्ञान में बी.एससी

बैचलर डिग्री प्रोग्राम 3-4 साल का डिग्री प्रोग्राम है। पाठ्यक्रम में आपराधिक प्रक्रिया और साक्ष्य, अपराध पीड़ित अध्ययन, आपराधिक प्रक्रिया में संवैधानिक मुद्दे, फिंगरप्रिंट विश्लेषण, अपराध दृश्य जांच और अपराध कारणों के सिद्धांत आदि जैसे विषय शामिल हैं। फोरेंसिक विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए आवेदक को अपने हाई स्कूल या डिप्लोमा पाठ्यक्रम में कम से कम 50 प्रतिशत ज़रूरी होता है।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (2 वर्ष)= फॉरेंसिक साइंस में एम.एससी या पीजी डिप्लोमा

फोरेंसिक विज्ञान में मास्टर डिग्री व्यक्तियों को फोरेंसिक विज्ञान उद्योग के भीतर उन्नत पदों के लिए तैयार करती है। इसमें ड्रग विश्लेषण, आपराधिक, जैविक साक्ष्य, डीएनए विश्लेषण, ट्रेस साक्ष्य, रक्त छींटे और विष विज्ञान आदि जैसे मुख्य विषय शामिल हैं। ऐसे उम्मीदवार विभिन्न विभागों जैसे क्राइम लैब, पुलिस विभाग, और सरकारी एजेंसियों जैसे ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन, हॉस्पिटल लैब, मेडिकल परीक्षक कार्यालय और दवा कंपनियों में वरिष्ठ स्तर की नौकरियां पा सकते हैं।

डॉक्टोरल कोर्स (3 वर्ष)= फॉरेंसिक साइंस में पीएच.डी. या एम.फिल

अगर कोई व्यक्ति लेक्चरर की नौकरी चाहता है या अनुसंधान के लिए जाना चाहता है या फिर फॉरेंसिक विज्ञान में किसी भी प्रकार के उन्नत नेतृत्व के पदों का विकल्प चुनता है तो उसके लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य है। मुख्य विषयों में फोरेंसिक इंस्ट्रूमेंटल एनालिसिस, एडवांस फोरेंसिक, फिजिकल एविडेंस कॉन्सेप्ट, कंट्रोल्ड सब्सटेंस एनालिसिस, फॉरेंसिक लेबोरेटरी मैनेजमेंट और रिसर्च डिजाइन फॉरेंसिक साइंस, पैटर्न और लॉ एंड फॉरेंसिक साइंसेज शामिल हैं। एक अभ्यर्थी फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में फॉरेंसिक बायोलॉजी, फॉरेंसिक सेरोलॉजी, फॉरेंसिक केमिस्ट्री, फॉरेंसिक टॉक्सिकोलॉजी, फॉरेंसिक बैलेस्टिक, फोरेंसिक एंटोमोलॉजी, फॉरेंसिक वनस्पति विज्ञान आदि क्षेत्रों में अपना विशेषज्ञता पाठ्यक्रम कर सकता है।

एमबीबीएस पृष्ठभूमि के साथ फोरेंसिक साइंटिस्ट बनना भी संभव है। एमबीबीएस खत्म करने के बाद छात्र फॉरेंसिक साइंस में एमडी कर सकते हैं।

भारत में शीर्ष फोरेंसिक विज्ञान कॉलेज

- एफ एस भारतीय शिक्षा विभाग, पुणे
- लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
- डॉ. बी आर अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, मुंबई
- लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस नई दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (गुजरात फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी), गांधी नगर
- साइबर फॉरेंसिक और सूचना सुरक्षा केंद्र (मद्रास विश्वविद्यालय), चेन्नई
- गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंस, औरंगाबाद
- सैम हिगिनबॉटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी और साइंसेज , इलाहाबाद
- सेंट जेवियर्स कॉलेज (मुंबई विश्वविद्यालय), मुंबई
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी (पंजाब यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़

प्रगति पर्व 2026 में सम्मानित हुई प्रेरक उपलब्धियाँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

अम्बुजा फाउंडेशन द्वारा संचालित सेडी चिड़ावा में 'प्रगति पर्व 2026' का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें समुदाय के विकास, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और आजीविका संवर्धन की प्रेरक उपलब्धियों को साझा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अरुण गर्ग, जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, झुंझुनू रहे।अम्बुजा फाउंडेशन की ओर से मनोज अग्रवाल सीनियर जनरल मैनेजर ने उपस्थित 516 अम्बुजा परिवार के सदस्यों को संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की गूंज और कलश यात्रा के साथ हुई। इस कलश यात्रा में 51 स्वयं सहायता समूह (साल्त) की महिलाओं ने सहभागिता की और सिर पर कलश लेकर जल संरक्षण और जल जागरूकता का संदेश दिया। यह यात्रा सामुदायिक सहभागिता और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जनजागरण का प्रतीक बनी।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. गोपाल प्रसाद, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर झुन्झुनूं, विजेन्द्र राठौड़ उप निदेशक आईसीडीएस, अभिषेक चौबदार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, दयानंद सहायक निदेशक जिला रोजगार कार्यालय, घनश्याम

सीएसआर प्रबंधक हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, प्रोफेसर त्रिवेणी बिट्स पिलानी रवि जांगिड़ तथा मनोज कुमार रिजनल डायरेक्टर उपस्थित रहे। इसके साथ ही उद्योग जगत से शिवा, ऑन शिव हेल्थ केयर और केशव, सीके बिड़ला हॉस्पिटल भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विष्णु प्रसाद ज़ोनल मैनेजर ने चिड़ावा क्षेत्र में संचालित अम्बुजा फाउंडेशन की विभिन्न पहलों की प्रगति साझा की। उन्होंने बताया कि कृषि आधारित आजीविका कार्यक्रम, जल संसाधन प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में व्यापक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सेडी के माध्यम से प्रशिक्षित 8000 से अधिक युवा आज देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जो इस पहल की सफलता का प्रमाण है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों और समुदाय के सदस्यों को सम्मानित किया गया। एक वर्ष से अधिक समय से अपने कार्यस्थल पर निरंतर और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 युवाओं को 'सिल्वर आइकॉन सम्मान' प्रदान किया गया। वहीं कार्यक्रम की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने में असाधारण योगदान देने वाले 5 प्रतिभागियों को 'अम्बुजा शिरोमणि पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। महिला सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली 11 'लखपति सखियों' का भी सम्मान किया गया, जो विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से प्रतिवर्ष एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं। युवाओं को आगे बढ़ाने और उच्च शिक्षा तथा कौशल उन्नयन के लिए प्रेरित करने हेतु SEDI के दो पूर्व छात्रों को रू15,000-रू15,000 की अपस्किलिंग छात्रवृत्ति प्रदान की गई। ये दोनों एलुमनाई वर्तमान में कार्यरत हैं और साथ ही उच्च स्तरीय कौशल/शैक्षणिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत हैं। कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिकल ट्रेड के 18 प्रशिक्षुओं को टूल किट वितरित की गई, जिससे वे प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार या रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त नव चयनित प्रशिक्षुओं को ऑफर लेटर भी प्रदान किए गए, ताकि वे अपने कौशल प्रशिक्षण की नई यात्रा की शुरुआत कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। 'नारी शक्ति' विषय पर प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने महिलाओं की शक्ति, संघर्ष और सफलता की प्रेरक कहानी को दर्शाया। इसके साथ ही 'द अम्बुजा स्टोरी' पर आधारित नाट्य एवं नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से अम्बुजा सीमेंट की स्थापना, संघर्ष, दूरदर्शिता और अम्बुजा फाउंडेशन के माध्यम से समुदाय के विकास की यात्रा को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अम्बुजा फाउंडेशन के जल संसाधन प्रबंधन, महिला सशक्तिकरण, कृषि आधारित आजीविका और कौशल विकास जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की उपलब्धियों को भी साझा किया गया। कार्यक्रम में अम्बुजा फाउंडेशन के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, युवा शक्ति, मातृ शक्ति और बड़ी संख्या में ग्रामीण समुदाय के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में अनिल गुप्ता प्रोग्राम मैनेजर ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, सहयोगी संस्थाओं और उपस्थित समुदाय का आभार व्यक्त करते हुए वोट ऑफ थैंक्स प्रस्तुत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर गिन्नी देवी सेखसरिया कालेज से प्रोफेसर सीमा सहल, प्रोफेसर अंजू शर्मा, प्रोफेसर मंजू रानी सेबी स्टाफ खुशबू सेंगर, कल्पना कलियार, हेमंत सोनी, हरीश जोरासिया, सुबेदार मेज़र नवीन जांगिड़, रविंद्र धनकड़, रामचंद्र समोता सहित काफी संख्या में प्रशिक्षु उपस्थित रहें।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए 4 दशक तक जागरूकता अभियान चलाने वाले 79 वर्षीय एडवोकेट सैनी आज भी जुटे हैं सेवा कार्यों में

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़

अक्सर देखा जाता है कि सरकारी सेवा व उम्र के पड़ाव के बाद व्यक्ति में शिथिलता आ जाती है और वो स्वयं को असहाय महसूस करने लगता है। लेकिन एक शख्सियत ऐसी भी हैं जो 78 वर्ष की उम्र पार कर लेने के बाद भी युवाओं जैसी एनर्जी के धनी हैं। जी हां हम बात कर रहे हैं महालेखाकार कार्यालय से 31 जनवरी 2008 को वरिष्ठ लेखा परीक्षक के पद से सेवानिवृत्त होने वाले एडवोकेट ग्यारसी लाल सैनी की। 03 जनवरी 1948 को जयपुर में जन्मे ग्यारसी लाल सैनी ने जीवन में कडा संघर्ष किया है। मात्र 10 वर्ष की अल्पायु में पिता का साया उठ गया तो जीवन विरान सा लगने लगा। लेकिन दृढ़ संकल्प, इच्छा शक्ति और साहस के धनी ग्यारसी लाल ने अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए 1965 में दसवीं कक्षा,1966 में हायर सेकेंडरी,1970 में स्नातक तथा 1973 में विधि स्नातक (एकेडमिक) परीक्षा उत्तीर्ण की थी । 1970 में बीए करने के साथ ही आगे पढ़ाई करने के

साथ प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी में जुट गए इसी दौरान महालेखाकार कार्यालय में अगस्त 1973 में चयनित हो गये, सरकारी सेवा के दौरान 1975 में एलएल.बी. (व्यवसायिक) की डिग्री भी हासिल कर ली । स्कूल और कालेज शिक्षा के दौरान छात्र राजनीति में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले ग्यारसी लाल ने एनसीसी कैडेट्स के रूप में 'बी' और 'सी' सर्टिफिकेट हासिल किया तथा इस दौरान दो बार राज्य स्तरीय व दो बार राष्ट्रीय स्तर पर आर्मी के साथ कैंप किये तथा एनसीसी में सीनियर अण्डर आफिसर तक तीन पदों पर रहे। इससे पहले एडवोकेट सैनी ने 1965 से 1973 तक बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए सायंकालीन शिक्षा केंद्र का संचालन किया तो 1975 से 1977 तक समाज के प्रोढजनो को शिक्षित करने में जुट गए इसी दौरान 1967 से 2000 तक माली युवक परिषद में विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने व समाप्त करने का जनजागरण अभियान शुरू किया तथा 1993 में सामूहिक विवाह का आयोजन को सफल बनाने के लिए 30 दिन के उपार्जित अवकाश लेकर 11 जोड़ों को परिणय सूत्र में बंधाने का पुनित कार्य किया। एडवोकेट सैनी के सामाजिक सरोकार को देखते हुए तथा समाज में की गई सामाजिक सेवाओं के लिए 11 अप्रैल 2004 को महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया जबकि 11अप्रैल 2014 को सामाजिक सेवाओं के लिए श्री टी.सी. चंदेल अवार्ड से नवाजा गया। वर्ष 2024 में 11 अप्रैल को राष्ट्रीय संस्थान द्वारा राज्य स्तरीय महात्मा ज्योतिबा फुले अवॉर्ड से भी नवाजे गए।एडवोकेट सैनी ने अपने जीवन के 78 बसंत पूरे कर लिए लेकिन एनर्जी के मामले में युवाओं से भी दो कदम आगे है तथा सामाजिक क्षेत्र में अपना जुड़ाव रखते हुए सेवा कार्यों से जुड़े हुए हैं। एडवोकेट सैनी वर्तमान में सैनी क्लब जयपुर के संरक्षक, सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी प्रगतिशील संस्था के मुख्य संरक्षक, सीविल राइट्स सोसाइटी, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा, जयपुर जिला माली सैनी समाज संस्था के सलाहकार, नागरिक कल्याण समिति व सैनी नवयुवक मंडल जयपुर के संरक्षक जबकि महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा समिति व भारतीय शिक्षण संस्थान के आजीवन सदस्य के रूप में सक्रियता के साथ अपनी सेवाएं दे रहे। एडवोकेट सैनी ने इससे पहले माली सैनी महासभा राजस्थान के उपाध्यक्ष, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान में उपाध्यक्ष, (मुख्यालय), सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रमुख सलाहकार व माली युवक परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं।

साक्षरता जागरूकता रथ को प्रधानाचार्या संगीता नायक, ब्लॉक साक्षरता समन्वयक मूलसिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार के साक्षरता एवं सतत शिक्षा विभाग के नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जन जन तक पहुंचाने के लिए जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा बुधवार को सीबीईओ कार्यालय मंडावा के अधीनस्थ विद्यालय राजकीय

डेडराज ढाढनिया उच्च माध्यमिक विद्यालय मंडावा से साक्षरता जागरूकता रथ प्रधानाचार्या संगीता नायक एवं ब्लॉक साक्षरता समन्वयक मूलसिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मंडावा नगरपालिका साक्षरता प्रभारी संजय कुमार, व्याख्याता संदीप कुमार, व्याख्याता निकिता कंवर, दिनेश कुमार शर्मा पीटीआई , सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

एलपीजी गैस आपूर्ति को लेकर घबराने की जरूरत नहीं: डीएसओ डॉ निकिता राठौड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

मध्य पूर्व में उत्पन्न तनाव की स्थिति के बीच जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति को लेकर आमजन को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। जिला रसद अधिकारी डॉ. निकिता राठौड़ ने बताया कि जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूर्ण रूप से सुचारू है और इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि आमजन किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और गैस सिलेंडर का अनावश्यक भंडारण या अतिरिक्त मांग करने से बचें। इससे वितरण व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और पूर्व की तरह ही उपभोक्ताओं को उनके घरों तक नियमित रूप से आपूर्ति की जाएगी। डॉ. राठौड़ ने गैस एजेंसियों को भी निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ताओं पर किसी प्रकार का अनावश्यक दबाव न बनाया जाए और गैस की आपूर्ति पूर्ववत उपभोक्ताओं के घर (कंज्यूमर प्रिमाइस) तक सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी गैस वेंडर, एजेंसी या अन्य व्यक्ति द्वारा सिलेंडर की जमाखोरी, कृत्रिम अभाव पैदा करने, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री, अवैध भंडारण या कालाबाजारी करने का प्रयास किया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।जिला रसद अधिकारी ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की जानकारी प्रशासन को दें, ताकि नियमों के विरुद्ध संग्रहण या बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

खेतड़ी के ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शीतला माता के दरबार में लगा आस्था का मेला, ठंडे प्रसाद का चढ़ावा

ठिकाने काल की धरोहर शीतला माता मंदिर में पहुंच रहे श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । राजस्थान के खेतड़ी ठिकाने के समय से चली आ रही ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शुरुआती गर्मी के इस मौसम में माता शीतला के दर्शन के लिए आए भक्तों ने ठंडे खाद्य पदार्थ चढ़ाकर अपनी मन्नतें मांगी। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा दही, छाछ, पुड़ी-पकौड़ी सहित

विभिन्न ठंडे प्रसाद चढ़ाए गए, जो शीतला माता की कृपा का प्रतीक माने जाते हैं। सुबह करीब 5 बजे से ही मंदिर में दर्शन का सिलसिला शुरू हो गया और दिन चढ़ने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी श्रद्धा के साथ माता के चरणों में नतमस्तक हुए। खेतड़ी ठिकाने के राजसी वैभव से जुड़ा यह प्राचीन मंदिर स्थानीय आस्था और इतिहास का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि माता शीतला की पूजा से गर्मियों में फैलने वाली चेचक व खसरा जैसी बीमारियों से रक्षा होती है, इसलिए श्रद्धालु यहां ठंडे प्रसाद का भोग लगाकर माता को प्रसन्न करते हैं। खेतड़ी व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन न केवल खेतड़ी की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करता है, बल्कि समाज में एकजुटता और आस्था का भी प्रतीक है। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं के दर्शन का सिलसिला जारी रहा।

शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा व्यवस्था पर है जिला प्रशासन का विशेष फोकस: डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा - विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास सहित स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित है सरकारी योजनाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार की जनहितकारी सोच के अनुरूप फतेहाबाद जिला प्रशासन शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ ही आमजन की सुरक्षा पर पूरा फोकस कर रहा है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के साथ लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदत्त हों इसके लिए डीसी डॉ. विवेक भारती बुधवार को फील्ड में उतरकर पूरी सजगता के साथ धरातल पर शैक्षणिक व स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। डीसी डॉ. भारती ने जिला में स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जाखल थाना, कुलां स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा पीएचसी कुलां का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और दी जा रही सेवाओं को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। डीसी ने एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा के साथ कुलां स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राइमरी स्कूल और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करते हुए मिड डे मील की खाद्य सामग्री की

गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने विभिन्न कक्ष, मिड डे मील व्यवस्था, कंप्यूटर लैब, स्टाफ रूम और प्राचार्य कक्ष का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। डीसी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों की पढ़ाई और उपस्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, शिकायत पेटी तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं की भी जांच की और कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्कूलों के इंस्पेक्शन रजिस्टर पर हस्ताक्षर भी किए और मूलभूत सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए।

शीतलाष्टमी बास्योड़ा का पर्व मनाया गया श्रद्धार भक्ति के साथ ,मंदिरों में उमड़ा श्रद्धालुओ का सैलाब

माता शीतला को ठंडे पकवानों का लगाया गया भोग, निरोगी रहने की कामना के साथ सुख समृद्धि की कामना।

अल सुबह से पूजा के लिए मन्दिरों में लगी महिलाओं की लगी लम्बी कतारें

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । शेखावाटी अंचल की पर्यटन नगरी मंडावा में आज बुधवार को माता का विशेष पर्व शीतला अष्टमी यानी बास्योडा पर्व पारंपरिक रीति रिवाज से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सभी उम्र के लोग माता की पूजा अर्चना कर अच्छे स्वास्थ्य निरोगी रहने की कामना की। मुख्य रूप से वार्ड 9 स्थित प्राचीन शीतला मंदिर,वार्ड 21 में नया शीतला मन्दिर ओर वार्ड 2 स्थित गणेश मंदिर के पास स्थित शीतला माता मंदिर में पूजा ओर धोक लगाने को लेकर अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी लंबी कतारे लगी रही। शीतला माता मंदिर में सुबह 4.00 बजे से महिलाओं का पहुंचना शुरू हो गया। महिलाएं हाथों में थालियां लेकर और रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर समूह के रूप में अपने नन्हे मुन्ने बच्चों के साथ मंगल गीत गाती हुई शीतला माता मंदिर पहुंची। यहां पर महिलाओं ने समूह के रूप में शीतला माता की पूजा-अर्चना की और उन्हें ठंडे पकवानों का भोग लगाया। सैकड़ों श्रद्धालु श्रद्धाभाव के साथ माँ शीतला माता के दरबार में शीश नवाते हुए ठंडे पकवानों का भोग लगाकर अपनी मुरादे पूरी कर रहे है। घर घर में एक दिन पूर्व विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर अगले दिन माता

शीतला की धोक लगाते हैं। इस पर्व की खास बात यह रहती है कि इस दिन घरों में खाना नही बनाया जाता और अगले दिन बनाये गये ठंडे पकवानों का ही माता को भोग लगाया जाता है। वहीं परिवार के सभी लोग घर पर बासा भोजन हीं ग्रहण करते है जिससे माता प्रश्न रहती है। सुरक्षा की दृष्टी से पुलिस के जवान मौजूद रहे। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस पर्व के पीछे श्रद्धालुओ का मानना है कि बच्चों के निरोगी रहने के लिएमेलें परिजन अपने नन्हें-मुन्ने बच्चों के साथ मेले में अपने परिवार की खुशहाली की दुआ मांगने आते है। मातारानी का आशीर्वाद मिलता है। शीतला पूजा करने से बच्चों में चेचक का रोग नही होता है, और अगर किसी के चेचक हो जाता है तो मातारानी की शरण में यह रोग हमेशा के लिए मिट जाता है। श्रद्धालुओं ने बताया कि महिलाओं ने माता को भोग के लिए कांजी बड़ा, मोहन थाल, गुंजिया, पेठे, सकरपारे, पापड़ी राबड़ीसहित अन्य व्यंजन बनाकर शीतला माता को ठंडे पकवानों का भोग लगा कर निरोगी रहने की कामना की ।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर दिल्ली में दलित युवक के हत्यारों को जल्द गिरफ्तार करने की उठाई मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । सिंघाना ब्लॉक की डॉ. बी.आर. अंबेडकर सेवा समिति की ओर से दिल्ली के उत्तमनगर क्षेत्र में होली के दिन दलित युवक तरुण खटीक की निर्मम हत्या के मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर बुहाना एसडीएम को प्रधानमंत्री और दिल्ली के मुख्यमंत्री के नाम

ज्ञापन सौंपा गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि होली जैसे पावन पर्व के दिन हुई इस घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना मानवता को शर्मसार करने वाली है और इससे समाज में भय व आक्रोश का माहौल बना हुआ है। समिति ने इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में मांग की गई कि हत्या के सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कठोरतम सजा दिलाई जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को कम से कम एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। इसके अलावा आरोपियों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर सख्त कार्रवाई करने की भी मांग की गई। इस दौरान राधेश्याम पवार, नौरंग डांगी, पिंटू भार्गव, मैक्स नायक, नत्थू मीना, ओमप्रकाश पवार, महिपाल मीना, किशोरी गोठवाल, ताराचंद भार्गव, रामनिवास खटीक, परमेश्वर खटीक, अनिल कुमावत, घीशा रामलीला सहित कई लोग उपस्थित रहे।

शीतला माता को लगाया ठंडे पकवानों का भोग,बडी संख्या में किए दर्शन व मेले का उठाया लुत्फ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

संत सानिध्य में हुआ रात्रि जागरण का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शीतलाष्टमी पर बुधवार को मां शीतला के ठंडे पकवानों का भोग लगाकर बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर मंगल कामना की । मंदिर कमेटी की ओर आयोजित मेले व सांस्कृतिक कार्यक्रम में बडी संख्या में बच्चे, महिला व पुरूष पहुंचे। इससे पूर्व रात्रि में चुवास फतेहपुर के संत निश्चल नाथजी महाराज के सानिध्य में भजनों की अमृत वर्षा हुई। मेला अवसर पर सेठों की कोठी के कलाकारों ने ढप नृत्य प्रस्तुत किया।समिति के पदाधिकारियों ने संत श्री निश्चल नाथजी महाराज का माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर स्वागत कर आशीर्वाद लिया

तथा आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

मेहाड़ा गुजरवास में आईटीबीपी के जवान का ससम्मान से हुआ अंतिम संस्कार, युवाओं ने निकाली तिरंगा रैली

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । मेहाड़ा गुजरवास गांव के आईटीबीपी में कार्यरत जवान का निधन हो गया। उनके पैतृक गांव में ससम्मान से अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान युवाओं ने मेहाड़ा पुलिस थाने से लेकर जवान के घर तक तिरंगा रैली निकाली। सरपंच प्रकाश अवाना ने बताया कि मेहाड़ा थाना क्षेत्र की गुजरवास निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र गोविंद राम सेन 32 बटालियन आईटीबीपी कानपुर में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में दर्द होने पर नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इस दौरान हृदय गति रुकने से जवान

राजेंद्र कुमार का निधन हो गया। जवान राजेंद्र कुमार ने वर्ष 1988 मे आईटीबीपी में कांस्टेबल के रूप में ज्वाइन किया था। जवान राजेंद्र कुमार के दो बेटे विकास और योगेश है। जवान राजेंद्र कुमार के निधन होने की सूचना जब परिवार वालों को मिली तो घर में कोहराम सा मच गया तथा परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था। जब उनकी पार्थिव देह गांव में पंहुची तो युवाओं की ओर से तिरंगा रैली निकाली गई। इस दौरान आईटीबीपी की टुकड़ी की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी।

लक्ष्मणगढ़ ब्लॉक की सनवाली स्कूल में कार्यरत व्याख्याता के तबादला आदेश पर हाई कोर्ट ने लगाई रोक

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्षमनगढ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सनवाली, लक्ष्मणगढ़ में व्याख्याता के पद पर कार्यरत महावीर प्रसाद पुनिया के तबादला आदेश पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। साथ ही स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक सहित दो अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले में अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 10 जनवरी 26 को आदेश जारी कर प्रार्थी का सीकर से चूरू तबादला कर दिया है। जो अनुचित एवं विधि विरुद्ध है।अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने याचिका में बताया कि विभाग ने राज्य सरकार की तबादला नीति की अवहेलना में प्रार्थी का तबादला किया गया है।इसलिए तबादला आदेश अनुचित एवं विधि विरुद्ध है।प्रार्थी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर तबादला आदेश को निरस्त करने की गुहार लगाई थी। इस पर हाई कोर्ट की एकल पीठ ने प्रार्थी के तबादला आदेश पर रोक लगाकर राहत दी है। तथा विभाग को निर्देश दिए है कि प्रार्थी को वर्तमान स्कूल में ही कार्यरत रखा जावे। इससे पहले प्रार्थी ने तबादला आदेश को

राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण(रेट) में अपील दायर की थी। अधिकरण ने प्रार्थी की अपील को खारिज कर दिया था। इसके पश्चात प्रार्थी ने 10 जनवरी 26 के तबादला आदेश एवं अधिकरण के आदेश के विरुद्ध हाई कोर्ट में याचिका दायर को थी। व्याख्याता पुनिया राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष है। न्यायालय के निर्णय पर प्राचार्य रामचन्द्र खीचड़, शिक्षक नेता हरलाल महरिया ,जोगेंद्र सिंह रणवा, राकेश जाट, हरीराम डोटासरा सहित अनेक शिक्षकों ने खुशी जाहिर करते हुए इसे न्याय की जीत बताया है।

मदरसे के बच्चे भी पढ़ रहे हैं विवेकानंद के संदेश : प्रदेशभर में मुस्लिम युवा ने बांटे 80 हजार विवेकानंद कैलेंडर

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

सीकर के कई सरकारी विभागों और मदरसों सहित मदरसा डॉ. जाकिर हुसैन उच्च प्राथमिक विद्यालय में 154 छात्र - छात्राओं व अध्यापकों को स्वामी विवेकानंद पर आधारित नये वर्ष 2026 के विवेकानंद कैलेंडर निः शुल्क वितरित किए गए। इस अवसर पर मदरसा के प्रधानाचार्य करण सिंह सामोता व समस्त स्टाफ और भीमसर निवासी डॉ. जुल्फिकार ने छात्र - छात्राओं को स्वामी विवेकानंद और खेतड़ी राजा अजीत सिंह के ऐतिहासिक संबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामी विवेकानंद अपने जीवनकाल में तीन बार खेतड़ी आए थे। उनका नाम, पोशाक, पगड़ी शिकागो विश्वधर्म सम्मेलन सहित उनके जीवन की दर्जनों घटनाएं है जो खेतड़ी से जुड़ी हुई है। खेतड़ी में देश का पांचवां और राजस्थान का पहला अजीत विवेक संग्रहालय स्थापित है जिसमें स्वामी विवेकानंद और राजा अजीत सिंह के 109 दिन की विशिष्ट घटनाओं को दर्शाया गया है। विदित रहे इससे पहले भी डॉ. जुल्फिकार सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़,जाजोद सहित कई अन्य गांवों के विद्यालयों में छात्र - छात्राओं, युवाओं और क्षेत्रवासियों को विवेकानंद कैलेंडर निः शुल्क वितरित कर चुके हैं।

शोध और लेखन में भी सक्रिय

डॉ. जुल्फिकार ने न केवल स्वामी विवेकानंद पर पीएचडी की, बल्कि उनके जीवन और विचारों पर पांच पुस्तकें लिखी है। वे वर्ष 2005 से 2009 के बीच किए गए अपने शोध को जीवन की दिशा बदलने वाला अनुभव बताते हैं। उनका कहना है कि स्वामी विवेकानंद के विचार किसी एक धर्म तक सीमित नहीं, बल्कि मानवता, राष्ट्रनिर्माण और युवाशक्ति को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने दावा किया है कि रामकृष्ण मिशन खेतड़ी पर पीएचडी करने वाले वे देश के पहले मुस्लिम युवा है।

80 हजार विवेकानंद कैलेंडर कर चुके वितरित

डॉ. जुल्फिकार ने बताया कि वे पिछले सात वर्षों से स्वामी विवेकानंद के प्रेरक संदेशों वाले कैलेंडर निःशुल्क वितरित कर रहे हैं। अब तक 80 हजार कैलेंडर दिल्ली सहित राजस्थान के अलवर जयपुर, बीकानेर, सीकर,चूरू, हनुमानगढ़, झुंझुनूं आदि जिलों के राजकीय - गैर राजकीय विद्यालयों, मदरसों,वेद विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में वितरित किए जा चुके हैं। भीमसर नूआं, सिरियासर,आबूसर,अणगासर, अलसीसर, मलसीसर टमकोर समेत लगभग 35 गांवों में वे पहुँचकर युवाओं से संवाद करते हैं। उनके हाथ में किताबें होती है और जुबान पर केवल प्रेरणा। वे बताते हैं कि विवेकानंद ने शक्ति सेवा और आत्मविश्वास की जो त्रिवेणी दी,वह हर धर्म के लिए समान है। इसी भाव के साथ उन्होंने कैलेंडर वितरण शुरू किया ताकि रोज सुबह लोग विवेकानंद का चेहरा देखें और एक विचार पढ़ें। उनका लक्ष्य एक लाख युवाओं तक स्वामी विवेकानंद के विचार को पहुंचाना है। विवेकानंद कैलेंडर 2026 सभी धर्मों के प्रति सम्मान आदर, प्रेम और सहिष्णुता का संदेश देता है तथा एकता और भाईचारे को बढ़ावा देता है ।

रामकृष्ण मिशन से बचपन का जुड़ाव

डॉ. जुल्फिकार के पिता जाफर हुसैन खेतड़ी स्थित एचसीएल में कार्यरत थे, वहीं से उनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। स्कूली दिनों में ही वे रामकृष्ण मिशन से जुड़े और मिशन के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की। इसी वातावरण ने उनके मन में विवेकानंद पर कुछ अलग करने का भाव जगाया। पीएचडी के दौरान उन्होंने देश के प्रसिद्ध बेलूर मठ और 50 से अधिक मठों का भ्रमण किया तथा सिंगापुर, श्रीलंका और बांग्लादेश के मठों में रहकर गहन अध्ययन किया।

चिड़ावा ब्लॉक में ऑटो रिक्शा द्वारा जिंगल प्रचार प्रसार का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर साक्षरता का वातावरण निर्माण करने के उद्देश्य से आज मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, पंचायत समिति चिड़ावा से ऑटो रिक्शा द्वारा जिंगल प्रचार प्रसार का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार पायल ने ऑटो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ब्लॉक साक्षरता प्रभारी श्रीमती सुनीता ने बताया कि यह प्रचार प्रसार ब्लॉक की सभी पंचायतों में चार दिन तक जारी रहेगा। कार्यक्रम में कर्मवीर थाकन, अनूप डेला, लीलाधर सैनी और अशोक कुमार उपस्थित रहे।

शीतलाष्टमी (बास्योड़ा) पर माता के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा । शीतलाष्टमी (बास्योड़ा) का पर्व बुधवार को क्षेत्र में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माता शीतला के मंदिरों में अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में महिलाओं की लंबी कतारें पूजा-अर्चना के लिए लगी रहीं। चिड़ावा के प्राचीन शीतला माता मंदिर में सुबह करीब 4 बजे से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों में सजी-धजी, हाथों में पूजा की थालियां लेकर अपने नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मंगल गीत गाते हुए मंदिर पहुंचीं। महिलाओं ने समूह में माता शीतला की विधिवत पूजा-अर्चना कर ठंडे पकवानों का भोग लगाया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन की कामना की। परंपरा के अनुसार इस दिन घरों में नया भोजन नहीं बनाया जाता, बल्कि एक दिन पहले बनाए गए ठंडे व्यंजन जैसे कांजी बड़ा, मोहनथाल, गुंजिया, पेठे, शक्करपारे, पापड़ी और राबड़ी का भोग माता को लगाया जाता है। इसके बाद परिवार के सदस्य भी वही बासा भोजन ग्रहण करते हैं। पौराणिक मान्यता के अनुसार माता शीतला की पूजा करने से बच्चों को चेचक जैसे रोगों से बचाव मिलता है तथा परिवार में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहती है। पर्व के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई।

तरुण हत्याकांड- दोषियों को फांसी और पीड़ित परिवार को 1 करोड़ के मुआवजे की मांग, समाज में भारी रोष

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

दिल्ली के उत्तम नगर में होली के पावन पर्व पर दलित युवक तरुण खटीक की निर्मम हत्या के विरोध में आज आक्रोश फूट पड़ा। इस जघन्य हत्याकांड को लेकर प्रबुद्ध नागरिकों और अधिवक्ता संघ ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हुंकार भरी है। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जिस समय पूरा देश खुशियां मना रहा था, उस वक्त तरुण खटीक की नृशंस हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना से न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि आमजन में भय और भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन से निम्नलिखित बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है जिसमें मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कर दोषियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दिलाई जाए। पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। दोषियों की अवैध संपत्तियों और घरों पर बुलडोजर चलाकर नजीर पेश की जाए ताकि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान पूर्व पार्षदों और

अधिवक्ताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि उन्हें विश्वास है कि सरकार इस मामले को गंभीरता से लेकर पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाएगी। ज्ञापन देने वालों में पूर्व पार्षद बाबूलाल, पूर्व पार्षद जगदीश प्राण, ओमप्रकाश सैनी, राधेश्याम बसवाला, सीताराम गजराज, सीताराम पंवार, एडवोकेट लालचंद गोठवाल, अभिभाषक संघ अध्यक्ष विजय गुरावा, संजय माहिच, एडवोकेट अशोक कुमार, एडवोकेट अजय तानान, एडवोकेट नंदलाल, पवन चेतीवाल, संदीप सोलंकी, एडवोकेट मनोज लमोरिया, जगदीश प्रसाद बसवाला और सुरेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मानाणी की ढाणी में शोभायात्रा को लेकर हुई बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । रामनवमी महोत्सव व शोभायात्रा के निमित्त रामनवमी महोत्सव समिति के कार्यकर्ताओं ने मानाणी की ढाणी में कार्यकर्ताओं के साथ एक विशाल मीटिंग आयोजित की गई जिसमें भगवान राम की शोभायात्रा को विशाल रूप में मनाने का निर्णय लिया गया एवं माताएं बहने और बच्चों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया इस अवसर पर आयोजन समिति के कार्यकर्ता सहित ढाणी के केदारमल सैनी, विजय कुमार ,विकास सैनी ,नीरज सैनी, पंकज, विशाल, महेश ,आकाश, नथमल, सैनी ,शिशुपाल कटारिया, मुकेश सैनी राकेश सैनी, प्रकाश सोनी, मनोज सैनी, जय सैनी, भावना सैनी, नरेश सैनी, हरिराम सैनी , सोनी देवी, संतोष देवी, कानाराम सहित ढाणी के बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने मीटिंग में भाग लिया है मीटिंग में सर्वप्रथम गणेश वंदना करकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया बाद में समिति के कार्यकर्ताओं ने महिला पुरुषों को शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आग्रह किया गया घ ढाणी में लोगों को घर जाकर शोभायात्रा के लिए पीले चावल देकर सूचना देना तय हुआ ।

मैस लांगरी की बेटी के विवाह में कोलवा थाना स्टाफ ने भरा भात, कन्यादान स्वरूप 31 हजार रुपए का दिया सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज.कोलवा।

मनोज खंडेलवाल । पुलिस महकमे में सेवा के साथ-साथ पारिवारिक अपनत्व और संवेदनशीलता की अनोखी मिसाल बुधवार को उस समय देखने को मिली, जब पुलिस थाना कोलवा के मैस लांगरी ओमप्रकाश प्रजापत की बेटी के विवाह समारोह में पूरा कोलवा थाने का पुलिस परिवार गरीब बेटी का मायका बनकर खड़ा नजर आया। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने न केवल आत्मीयता के साथ पारंपरिक भाती की रस्म निभाई बल्कि कन्यादान स्वरूप आर्थिक सहयोग देकर बेटी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं भी कीं। विवाह समारोह के पावन अवसर पर थानाधिकारी रामशरण गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना कोलवा का पूरा स्टाफ एक परिवार की तरह कार्यक्रम में शामिल हुआ। पुलिसकर्मियों ने परंपरा के अनुसार विधि-विधान से भात भरते हुए बेटी को आशीर्वाद दिया और उसके सुखमय व समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान पुलिस परिवार की ओर से कन्यादान के रूप में 31 हजार रुपए की नगद राशि भेंट की गई, जिसे उपस्थित लोगों ने पुलिस विभाग की मानवीय संवेदनाओं और आपसी सहयोग की भावना का प्रेरक उदाहरण बताया।

परशुराम रक्षक दल को मिला नया नेतृत्व, मनमोहन 'मोनू' शर्मा बने अलवर जिलाध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.अलवर।

मनोज खंडेलवाल । ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन के तत्वावधान में संचालित परशुराम रक्षक दल को अलवर जिले में नया नेतृत्व मिल गया है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामजीवन शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहरलाल शर्मा के निर्देशन में कठूमर निवासी मनमोहन उर्फ मोनू शर्मा पुत्र रामनारायण शर्मा को परशुराम रक्षक दल का अलवर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। नियुक्ति के साथ ही संगठन ने उनसे समाजहित और संगठन विस्तार को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई है। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष रामजीवन शर्मा ने कहा कि मनमोहन उर्फ मोनू शर्मा सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए सक्रिय युवा हैं और उन्हें संगठन की विचारधारा व कार्यशैली का अच्छा अनुभव है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव नियुक्त जिलाध्यक्ष संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ब्रह्मनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता और ईमानदारी के साथ करेंगे तथा समाज के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में परशुराम रक्षक दल अलवर जिले में संगठनात्मक रूप से और अधिक मजबूत होगा तथा समाज में सकारात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष मनमोहन उर्फ मोनू शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा को गांव-गांव और समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने के साथ युवाओं को जोड़कर संगठन को मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संगठन के निर्देशों और समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए अलवर जिले में परशुराम रक्षक दल को सशक्त और सक्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। नियुक्ति की घोषणा के बाद से ही क्षेत्र में उनके समर्थकों, परिचितों और संगठन से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की ओर से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है।

नकबजनी के 3 मामलों में 5 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी कलां।

पुलिस थाना पचेरी कलां की टीम ने नकबजनी के तीन अलग-अलग प्रकरणों में पिछले पांच वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी जितेन्द्र उर्फ सोनू को हरियाणा के भट्टू कलां जिला फतेहाबाद से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा वृताधिकारी बुहाना नोपाराम भाकर के सुपरविजन में थानाधिकारी बनवारीलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने की। वांछित अपराधियों की धरपकड़ के अभियान के तहत पुलिस टीम को सूचना मिली कि स्थायी वारंटी जितेन्द्र उर्फ सोनू पुत्र बलवीर जोगी (36) निवासी आलमपुर, थाना तोषाम जिला भिवानी (हरियाणा) वर्तमान में भट्टू कलां जिला फतेहाबाद में रह रहा है। इस पर पुलिस टीम वहां पहुंची और उसे दस्तयाब कर तीनों स्थायी वारंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था। इस कार्रवाई में थानाधिकारी बनवारीलाल, सहायक उप निरीक्षक शीशराम (विशेष योगदान), कांस्टेबल हंसराज और कांस्टेबल सहीराम शामिल रहे।

वारंट की तामील करने पहुँची मंडावर पुलिस पर हमला, आरोपी को छुड़ाकर ले गए परिजन

कोट गांव में पुलिस जाप्ते को घेरा, न्यायालय का वारंट फाड़ा, कांस्टेबल से मारपीट के बाद वारंटी फरार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । न्यायालय से जारी गिरफ्तारी वारंट की तामील करने पहुँची मंडावर थाना पुलिस के साथ मारपीट कर वारंटी को छुड़ाकर ले जाने का गंभीर मामला सामने आया है। मंडावर थाना क्षेत्र के कोट गांव में हुई इस घटना में आरोपियों ने पुलिस को घेरकर न केवल सरकारी कार्य में बाधा डाली बल्कि न्यायालय से जारी वारंट को भी फाड़ दिया और आरोपी को मौके से भगा ले गए। घटना के बाद मंडावर पुलिस ने कई नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 9 मार्च 2026 को मंडावर थाने के एएसआई महावीर प्रसाद शर्मा मय पुलिस जाप्ता नियमित गश्त व बदमाशों की निगरानी के लिए सरकारी बोलेरो से इलाके में रवाना हुए थे। पुलिस दल में हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश, कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल सोमवीर तथा चालक कांस्टेबल वीरपाल शामिल थे और अनुसंधान किट भी साथ में थी। गश्त के दौरान दोपहर करीब 12 बजकर 35 मिनट पर पुलिस टीम थाना इलाके के ग्राम कोट पहुंची, जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट महवा की अदालत से जारी सरकार बनाम अमजद वगैरह प्रकरण में वारंटी सद्दाम फकीर पुत्र शादी खां निवासी कोट की गिरफ्तारी के लिए उसके मकान पर दबिश दी गई। पुलिस के अनुसार सद्दाम फकीर अपने घर पर ही मौजूद मिला। एएसआई महावीर प्रसाद ने उसे न्यायालय के गिरफ्तारी वारंट के बारे में अवगत कराते हुए उसके संवैधानिक अधिकार बताए और गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान अचानक उसके परिजन और अन्य लोग मौके पर एकत्र हो गए। पुलिस के मुताबिक वारंटी के परिजन वहां पहुंच गए और पुलिस कार्रवाई का विरोध करने लगे। बताया जा रहा है कि वारंटी के परिजनो ने पुलिस जाप्ते को चारों ओर से घेर लिया और वारंटी सद्दाम को गिरफ्तार करने का विरोध करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस का आरोप है कि जब एएसआई महावीर प्रसाद ने न्यायालय का वारंट दिखाया तो आरोपियों ने उनके हाथ से वारंट छीनकर मौके पर ही फाड़ दिया। इसके बाद जब पुलिस वारंटी को पुलिस वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगी तो आरोपियों ने कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट कर दी। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और इसी बीच आरोपी सद्दाम फकीर को छुड़ाकर भगा ले गए। घटना की सूचना एएसआई महावीर प्रसाद ने तत्काल मोबाइल के जरिए मंडावर थानाधिकारी को दी। इसके बाद घायल कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मंडावर ले जाया गया, जहां उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद पुलिस दल थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम को लेकर रिपोर्ट दी गई। पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए सद्दाम फकीर सहित कई नामजद आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी कार्य में हस्तक्षेप करने तथा न्यायालय के वारंट को नष्ट करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच मंडावर थानाधिकारी के जिम्मे सौंपी गई है।

इनका कहना है?

घटना को लेकर जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रवीण मीना, थानाधिकारी, मंडावर

मंडावर मंडी में 16 मार्च से शुरू होगी गेहूं की सरकारी खरीद

पूर्व में 10 मार्च की जगह संशोधन के बाद अब 16 मार्च से शुरू होगी खरीद

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । रबी विपणन सीजन 2026-27 के तहत मंडावर क्षेत्र के किसानों के लिए राहत और भरोसे की खबर सामने आई है। भारतीय खाद्य निगम के मंडल कार्यालय जयपुर के निर्देशन में मंडावर खरीद केंद्र पर 16 मार्च से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की सरकारी खरीद शुरू की जाएगी। राज्य सरकार के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार अब प्रदेशभर में गेहूं खरीद की प्रक्रिया 16 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित की जाएगी, जबकि पूर्व में इसे 10 मार्च से शुरू करने के निर्देश थे। प्रशासनिक कारणों से खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा जारी संशोधित आदेश के बाद खरीद की तिथि आगे बढ़ाई गई है। इस वर्ष किसानों के लिए विशेष राहत यह है कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल के अतिरिक्त राजस्थान सरकार की ओर से 150 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा 2026-27 की पालना में राजस्थान कृषक समर्थन योजना के तहत दिया जाने वाला यह बोनस किसानों के लिए अतिरिक्त आर्थिक संबल बनेगा। इस प्रकार सरकारी खरीद केंद्रों पर गेहूं बेचने वाले पंजीकृत किसानों को उनकी उपज का कुल 2735 रुपए प्रति क्विंटल का भुगतान प्राप्त होगा, जो सीधे उनके जनआधार से जुड़े बैंक खातों में जमा किया जाएगा। मंडावर मंडी में गेहूं खरीद की व्यवस्था को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाए रखने के लिए किसानों को पहले खाद्य विभाग के खरीद पोर्टल पर जनआधार नंबर के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। पंजीकरण के बाद मंडी में तैनात अधिकारी किसानों को फसल लेकर आने के लिए निर्धारित तिथि आवंटित करेंगे, ताकि मंडी परिसर में अव्यवस्था और अनावश्यक भीड़ की स्थिति न बने। किस्म निरीक्षक नरेश सोनी ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे आवंटित तिथि के अनुसार ही अपनी उपज लेकर खरीद केंद्र पर पहुंचें, जिससे खरीद प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। भुगतान प्रभारी मनोहर लाल मीणा ने बताया कि किसानों की उपज खरीदने के बाद अधिकतम 48 घंटे के भीतर भुगतान सीधे किसानों के जनआधार से जुड़े बैंक खातों में जमा कर दिया जाएगा। उन्होंने किसानों से यह भी आग्रह किया कि पंजीकरण से पहले अपने जनआधार में बैंक खाते की जानकारी अवश्य जांच लें, ताकि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए किसान संपर्क कर सकते हैं।

सिंघाना के भांजे यश का यूपीएससी में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

हर्ष स्वामी । कस्बे के भांजे यश के संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा में चयन होने पर पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। यश ने यूपीएससी परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 477 प्राप्त कर आईएएस के लिए चयन हासिल किया है। इस उपलब्धि पर सिंघाना क्षेत्र के लोगों ने पटाखे फोड़कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। यश सिंघाना निवासी रविशंकर, शक्ति सिंह व संग्राम मीणा तथा स्वर्गीय चतर सिंह मीणा के भांजे हैं और दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर घनश्याम मीणा के सुपुत्र हैं। समाजसेवी मुकेश सैनी ने बताया कि यश ने इससे पहले भी दो बार यूपीएससी परीक्षा पास की थी, लेकिन दोनों बार उनका चयन आईपीएस के लिए हुआ था। हालांकि उनका लक्ष्य आईएएस बनना था, इसलिए उन्होंने अपनी मेहनत जारी रखी और इस बार रैंक 477 हासिल कर आईएएस के लिए चयनित हुए। यश की इस सफलता से सिंघाना सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। इस अवसर पर सतीश मीणा, महेंद्र मीणा, राजकुमार, अमित शर्मा, गोलू नायक, रजनीश नायक, पवन शर्मा, मुकेश भार्गव, मनोहर कुमावत सहित कई लोग मौजूद रहे।

दुबई से लौटा नौसैनिक गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। यूपी एटीएस ने आगरा से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। आरोपी भारतीय नौसेना यानी नेवी में लांस नायक है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी कर रहा था। आरोपी ने आईएसआई एजेंट को देश के युद्धपोतों की तस्वीरें और डिटेल्स भेजी हैं। एटीएस ने आरोपी आदर्श कुमार उर्फ लकी को आगरा में उसके गांव कागारौल थाने के गांव चीतपुर से दबोचा है। उसकी 22 दिन पहले ही शादी हुई थी। वह हनीमून मनाने दुबई गया था। 3 दिन पहले ही वहां से लौटा था। लांस नायक ने अपने बैंक खाते से आईएसआई एजेंट को पैसे भी ट्रांसफर किए थे। इसकी पुष्टि उसके पास मिले दस्तावेजों से हुई है। लांस नायक आदर्श कुमार की तैनाती कोच्चि (केरल) में दक्षिणी नेवल कमांड में थी। एटीएस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि आदर्श पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई को भारत से जुड़ी अहम जानकारियां भेज रहा है। एटीएस ने लकी को उसके गांव से पकडक़र पूछताछ की। इसमें पुष्टि हुई कि उसने बेहद संवेदनशील सूचनाएं साझा कीं। इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स की भी जांच की गई, जिसमें उसके जासूस होने की पुष्टि हुई। एटीएस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगरा कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया। एजेंसियां अब यह जांच कर रही हैं कि कहीं इस जासूसी नेटवर्क में और लोग तो शामिल नहीं हैं।

आसाराम ने किया रामलला के दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या पहुंचे नाबालिग से रेप केस में सजायफ्ता आसाराम ने बुधवार को रामलला का दर्शन किया। 3 वाहनों का काफिला आदि शंकराचार्य द्वार से राम मंदिर के अंदर पहुंचा। उसे विशिष्ट मेहमान की तरह रामलला का दर्शन कराया गया। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियां अधिक होने के कारण वे वहां दर्शन करने नहीं जा सका। राममंदिर निर्माण के प्रभारी गोपाल जी ने आसराम को राम मंदिर के बारे में बताया। मंदिर निर्माण की जानकारी दी। आसाराम ने करीब 10 मिनट तक रामलला का दर्शन किया। इस दौरान रामलला की मोहिनी सूरत को अपलक निहारता रहा। मंदिर के सोने के दरवाजों और दीवारों पर उकेरी गई कलाकृतियों सहित मंदिर की भव्यता को निहारा। करीब 30 मिनट तक राममंदिर में बिताने के लक्ष्मण किला वापस आ गया। अयोध्या के बाद उसका अगला पड़ाव क्या होगा, इसकी जानकारी देने से सेवादार बच रहे हैं।

नक्सलियों के डंप से सबसे बड़ी बरामदगी, 3.61 करोड़ कैश और एक किलो सोना मिला

जगदलपुर (एजेंसी)। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में बुधवार को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 108 नक्सली कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें 44 महिला और 64 पुरुष नक्सली शामिल हैं, जिन पर 3.29 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। इस दौरान नक्सलियों द्वारा जमा किए गए हथियारों और अन्य सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। अधिकारियों ने 101 घातक हथियार बरामद होने की जानकारी दी। इन हथियारों में एके 47, इंसास, एलएमजी और बीजीएल शामिल थे। नक्सल इतिहास में पहली बार 3.61 करोड़ रुपये नकद और 1.64 करोड़ रुपये मूल्य का एक किलो सोना बरामद किया गया। इसे अब तक के नक्सल विरोधी अभियानों में सबसे बड़ी डंप बरामदगी माना जा रहा है। यह सभी सामग्री बस्तर रेंज के विभिन्न जिलों से बरामद की गई थी। इनमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर जिले शामिल हैं। बरामद किए गए सभी डंप और सामग्री को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया गया। यह प्रदर्शन जगदलपुर स्थित रेंज मुख्यालय में आयोजित आत्मसमर्पण कार्यक्रम के दौरान हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह सामग्री अलग-अलग अभियानों में मिली थी। इसमें 101 घातक हथियार और बड़ी मात्रा में नकदी व सोना शामिल था।

युद्ध के बीच कतर में फंसे 1,000 भारतीयों की हुई सुरक्षित भारत वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और तनाव के बीच, कतर में फंसे भारतीय नागरिकों को लेकर राहत की खबर है। भारतीय दूतावास के प्रयासों और कतर एयरवेज के सहयोग से करीब एक हजार भारतीय नागरिकों को सुरक्षित भारत लाया गया। दूतावास की तरफ से एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी दी। दूतावास ने कहा कि मंगलवार को कतर एयरवेज की उड़ानों से लगभग 1,000 भारतीय यात्री नई दिल्ली, मुंबई और कोच्चि पहुंचे। दूतावास ने 卐मानवीय आधार पर मामलों को प्राथमिकता देने卐 के लिए एयरलाइन को धन्यवाद दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कतर एयरवेज की एक उड़ान बुधवार को नई दिल्ली के लिए तय है। दूतावास ने कहा कि वह 96 घंटे की वैधता वाले अस्थायी पारगमन वीजा पर सलवा सीमा के रास्ते सऊदी अरब जाने वाले भारतीय नागरिकों की यात्रा को सुगम बनाना जारी रखे हुए है। दूतावास ने बताया कि कतर में फंसी भारतीय बास्केटबॉल टीम सऊदी अरब से उड़ान भरकर भारत पहुंची। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के कारण कई भारतीय नागरिक यात्रा संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे थे। भारतीय विदेश मंत्रालय और दूतावास की त्वरित सक्रियता ने यह तय किया है कि संकट में फंसे नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर निकाला जाए। इस पहल से उन परिवारों ने बड़ी राहत की सांस ली है, जिनके परिजन वहां फंसे हुए थे।

खेतड़ी में 13-14 मार्च को लगेगा नि:शुल्क गुदा रोग चिकित्सा शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

हर्ष स्वामी । खेतड़ी में मेहाड़ा गुर्जरवास निवासी स्व. श्रीमती शांति देवी की 15वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 13 व 14 मार्च को दो दिवसीय नि:शुल्क गुदा रोग चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन डॉ. स्वास्तिक शर्मा (एम.डी.) द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि यह शिविर शर्मा हॉस्पिटल ऑफ आयुर्वेद, राजकीय अजीत अस्पताल के सामने, खेतड़ी में आयोजित होगा। शिविर में बवासीर, भगंदर, फिशर सहित विभिन्न गुदा रोगों की नि:शुल्क जांच एवं परामर्श दिया जाएगा। इसके साथ ही रोगियों को नि:शुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाई जाएंगी तथा क्षार सूत्र चिकित्सा में विशेष छूट दी जाएगी।शिविर का समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। शिविर में पंजीकरण के लिए मरीज अपने नाम फोन नंबर 01593-299224 और 7014426411 पर दर्ज करवा सकते हैं।

व्यवस्थित व पारदर्शिता के साथ आमजन को मुहैया कराएं राजस्व सेवाएं : डीसी

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा- राजस्व कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, लंबित कार्यों का यथाशीघ्र हो निपटान

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कुलां, जाखल उप तहसील एवं बीडीपीओ कार्यालय का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को कुलां, जाखल उप तहसील व बीडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित व पारदर्शिता के साथ आमजन को राजस्व सेवाएं मुहैया कराना विभाग का दायित्व है जिसे बखूबी निभाया जाए। कुलां उप तहसील के निरीक्षण के दौरान डीसी डॉ. विवेक भारती ने पेपरलेस रजिस्ट्रेशन हेल्प डेस्क, राजस्व कोर्ट तथा ई-दिशा केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग म्यूटेशन, इंतकाल और गरदावरी के मामलों को बिना विलंब ऑनलाइन किया जाए और प्रत्येक प्रकरण का समय पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने कार्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और साफ-सफाई सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को पारदर्शी और सरल सेवाएं उपलब्ध करवाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। डीसी ने जाखल उप तहसील का दौरा कर कोर्ट रूम, खजाना कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, बीडीपीओ कार्यालय तथा परिसर में स्थित आधार केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न शाखाओं में चल रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए संबंधित रजिस्टरों और अभिलेखों की स्थिति की समीक्षा की। डीसी डॉ. भारती ने राजस्व कार्यालय में मौजूद नागरिकों से भी बातचीत कर राजस्व सेवाओं को लेकर फीडबैक लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाया जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी के निर्देशानुसार राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि आमजन को समय पर और बिना किसी परेशानी के सेवाएं मिलें।

यह रहे मौजूद:-

इस अवसर पर एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी श्यामलाल, नायब तहसीलदार राशवेन्द्र व डीआईपीआरओ दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

311 ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 311 ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में थानाधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान राजस्थान स्कूल खेतड़ीनगर के पास एक व्यक्ति सफेद कपड़े का थैला लेकर आते हुए संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 311 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी सुलतान सिंह पुत्र आशाराम मीणा, निवासी बजावा थाना मंड्रेला हाल निवासी क्वार्टर नंबर डी-298 फर्स्ट बी, खेतड़ीनगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपी से गांजे के स्रोत और खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में पुलिस टीम के कल्याण सिंह, संदीप, जितेन्द्र, नेमीचंद और चन्दपाल शामिल रहे।

पीएम मोदी का कोई राज तो ट्रंप के पास है, जिसकी वजह से वह गुलाम बने हुए हैं

–केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। केजरीवाल ने पीएम मोदी को निशाने पर लेते हुए उन्हें ट्रंप का गुलाम तक बताया दिया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी का कोई राज ट्रंप के पास है जिसकी वजह से वह देश को बर्बाद कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने युद्ध में अमेरिका और इजराइल का पक्ष लिया और ईरान को दुश्मन बना लिया है, इसी वजह से यह संकट पैदा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एलपीजी संकट पर सरकार की विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने गैस आपूर्ति में कमी के लिए पीएम मोदी को सीधे जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इससे एक करोड़ लोगों का रोजगार जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है। इसका कारण है कि देशभर में जितना उत्पादन होता है उसमें से 50 फीसदी कम हो गई है। 60 फीसदी गैस देश में आयात होता है और इसमें से 90 फीसदी स्टेट ऑफ होर्मुज से आता था, जो युद्ध की वजह से बंद कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि ईरान रूस और चीन जैसे दोस्तों को यहां से गुजरने की इजाजत दे रहा है, लेकिन भारत को नहीं।

केजरीवाल ने मुंबई, तमिलनाडु, दिल्ली-एनसीआर, बिहार, राजस्थान आदि का नाम लेते हुए कहा कि हजारों होटल बंद हो गए हैं और आने वाले दिनों और ज्यादा बंद हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात के मोरबी में ही टाइल्स कारोबार से जुड़े एक लाख लोग बेरोजगार हो चुके हैं और देश में तुरंत एक करोड़ से ज्यादा लोगों को बेरोजगार होने की संभावना है। पूर्व सीएम ने कहा कि 75 साल से भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता की थी जिसे पीएम मोदी ने ध्वस्त कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि युद्ध शुरू होने से एक दिन पहले उन्हें इजराइल जाने की क्या जरूरत थी। उन्होंने पूरे देश को संकट में डाल दिया है। वह ऐसा क्यों कर रहे हैं यह समझ से परे हैं। भारत हमेशा से गुटनिरपेक्षता का पक्षधर था। ईरान जो हमारा पुराना दोस्त था उसे हमने अपना दुश्मन बना लिया है।

केजरीवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुझे ये शब्द इस्तेमाल करने में बहुत शर्म महसूस हो रही है, प्रधानमंत्री जी ट्रंप के गुलाम बने हुए हैं। 140 करोड़ लोगों के महान देश को पीएम मोदी ने अमेरिका की कॉलोनी बना दिया है। अंग्रेजों ने इसलिए कब्जा कर लिया क्योंकि उस समय के राजा कमजोर थे, उन्हें ब्लैकमेल किया जा सकता था। उन्हें खरीदा जा सकता था। आज अमेरिका ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है, क्योंकि पीएम कमजोर हैं। उसको ब्लैकमेल किया जा रहा है। उसको क्यों

ब्लैकमेल किया जा रहा है। एक एक देशवासी का खून खौल रहा है जिस तरह अमेरिका के राष्ट्रपति से छोटे कर्मचारी तक हमारे प्रधानमंत्री का मजाक उड़ा रहे हैं। हमारा यही कसूर है कि हमारा प्रधानमंत्री कमजोर है।

केजरीवाल ने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि कॉटन ड्यूटी हटा लो पीएम मोदी ने कहा जी हुजूर। ट्रंप ने कहा कि रूस से तेल मत खरीदो- मोदी ने कहा जी हुजूर। इससे देश को 8 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सामान पर जीरो ड्यूटी होगी।

बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में गैर सनातनी के प्रवेश पर रोक

मंदिर समिति ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में इस वर्ष से गैर सनातनी का प्रवेश वर्जित रहेगा। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक में इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यह फैसला अगले महीने शुरू हो रही यात्रा से लागू होगा और अब गैर सनातनी, मंदिर परिसरों और गर्भगृहों में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। इससे पहले उन्होंने कहा था कि गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की व्यवस्था आदि शंकराचार्य के समय से ही है और भारतीय संविधान भी धार्मिक स्थलों के प्रबंधन का अधिकार देता है।

गंगोत्री धाम में प्रतिबंध

उत्तराखंड के गंगोत्री धाम में भी गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्री गंगोत्री मंदिर समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था। यह प्रतिबंध न केवल गंगोत्री धाम पर बल्कि मां गंगा के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू होगा। श्री गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कहा था कि धाम में गैर-हिंदुओं का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध देवी के शीतकालीन निवास मुखबा पर भी लागू रहेगा।

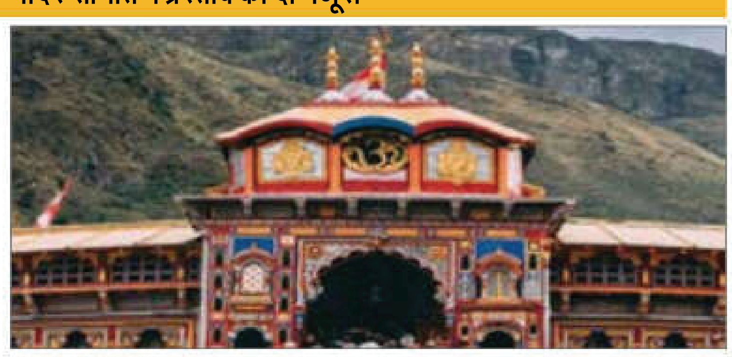

इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड सरकार हरिद्वार के 120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले 105 घाटों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। यह कदम कुछ संतों और गंगा सभा के अनुरोधों के जवाब में उठाया जा रहा है। राज्य सरकार कथित तौर पर हरिद्वार और ऋषिकेश दोनों को सनातन पवित्र शहर (पवित्र नगर) घोषित करने की योजना बना रही है।

गौ प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का शंखनाद: गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन शुरू

लखनऊ (एजेंसी)। उप्र की राजधानी लखनऊ में गौ प्रतिष्ठा धर्म युद्ध का औपचारिक शंखनाद होने जा रहा है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद विजय मुहूर्त में गौमय गणेश की पूजा-अर्चना और गौ प्रतिष्ठा ध्वज की स्थापना के साथ अपने इस बड़े आंदोलन का आगाज करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गाय को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना और उनसे जुड़ी धार्मिक भावनाओं को संवैधानिक सम्मान दिलाना है।

जिला प्रशासन ने शहर की शांति व्यवस्था और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस सभा के लिए हरी झंडी तो दे दी है, लेकिन इसके साथ 26 सख्त शर्तें भी लागू की हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम के दौरान किसी भी धर्म, जाति या भाषा के विरुद्ध भड़काऊ भाषण देना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। आयोजक बिना पूर्व अनुमति के कोई भी जुलूस या शोभा यात्रा नहीं निकाल सकेंगे। इसके अतिरिक्त, ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है, जिसके

तहत रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा और ध्वनि का स्तर 75 डेसीबल से अधिक नहीं रखा जा सकेगा।

यह आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद हालिया विवादों के घेरे में हैं। उन पर गंभीर व्यक्तिगत आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, हालांकि वर्तमान में हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी है। इस बीच स्वामी ने एक वीडियो संदेश जारी कर अपने समर्थकों से आह्वान किया है कि जो लोग लखनऊ नहीं पहुंच सकते, वे दोपहर ढाई बजे ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपने घरों में शंखनाद करें। उन्होंने भावुक अपील करते हुए कहा कि गौ माता के प्रति आस्था रखने वाले हर व्यक्ति का इस आंदोलन में स्वागत है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच आयोजन स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन ने यह शर्त भी रखी है कि पंडाल के भीतर सुरक्षा और पुलिस बल का खर्च आयोजकों को वहन करना होगा। किसी भी शर्त के उल्लंघन की स्थिति में अनुमति तुरंत रद्द करने की चेतावनी दी गई है।

असम में आर्थिक रुप से कमजोर महिलाओं के खातों में सीएम सरमा ने ट्रांसफर किए 9-9 हजार रुपए

–विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले बीजेपी ने कर दिया खेला

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले राज्य सरकार ने करीब 40 लाख आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के खातों में ओरुनोदोई योजना के तहत 9-9 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले इस योजना के तहत किया गया यह बड़ा भुगतान माना जा रहा है। सरकार की ओर से दी गई यह राशि चार महीने की अग्रिम सहायता के रूप में जारी की गई है। योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1250 रुपए दिए जाते हैं। इस बार जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल की किस्त अग्रिम दी गई है। इसके साथ ही सरकार ने महिलाओं को 4,000 रुपए का विशेष बिहू बोनस भी दिया है, जिससे कुल मिलाकर प्रत्येक लाभार्थी के खाते में 9,000 रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य के करीब 3,800 गांव पंचायतों और स्वायत्त परिषद क्षेत्रों में आयोजित सभाओं से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि यदि बीजेपी को लगातार तीसरी बार जनादेश मिलता है तो राज्य में और बेहतर दिन आएंगे। सरमा ने कई नए वादे भी किए। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में दो लाख नौकरियां दी जाएंगी। साथ ही हर परिवार को हर महीने मुफ्त राशन के रूप में एक-एक किलो नमक, चीनी, दाल और सरसों का तेल और 500 ग्राम चाय भी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाओं में आर्थिक सहायता बढ़ाई जाएगी और युवा उद्यमियों के लिए भी सहायता का दायरा बढ़ाया जाएगा।

विपक्ष की ओर से इस भुगतान को चुनाव से जोड़कर देखे जाने के आरोपों को खारिज करते हुए सीएम सरमा ने कहा कि ओरुनोदोई योजना की शुरुआत वर्ष 2020 में हुई थी और इसका चुनावी कैलेंडर से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि योजना में लाभार्थियों का चयन सात पात्रता मानदंडों के आधार पर किया जाता है। इनमें विधवा, दिव्यांग महिलाएं, कैंसर रोगियों के परिवार, तलाकशुदा महिलाएं और संकटग्रस्त परिवार शामिल हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि अगर यह चुनाव के लिए होता तो सभी को इसमें शामिल कर लिया जाता। यह मुफ्त की योजनाएं नहीं हैं। हम पिछले छह सालों से यह सहायता दे रहे हैं। हमारी चुनावी ताकत पीएम मोदी के नेतृत्व से आती है न कि इन योजनाओं से। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार की 'मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान' योजना के तहत अब तक 28.6 लाख महिला उद्यमियों को 10-10 हजार रुपए की शुरुआती पूंजी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस योजना के मॉडल को बिहार ने भी अपनाया और वहां विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत में यह एक अहम कारक माना गया है। बता दें पिछले कुछ चुनावों से तकरीबन हर राज्य में महिलाओं के लिए विशेष स्कीम लाई जा रही है।

अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप पर लगी गंभीर की नजरें

–आईपीएल के बाद शुरु होंगी तैयारियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टी20 विश्वकप जीतने के बाद अब गंभीर की नजरें अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर लगी हैं। इसको जीतने के लिए गंभीर ने योजना बनाना भी शुरु कर दिया है। गंभीर एक ऐसे कोच माने जाते हैं जो भविष्य को देखते हुए योजनाएं बनाते हैं। उनका कहना है कि आईपीएल 2026 के अंत तक एकदिवीसय विश्व कप 2027 के लिए कार्य योजना तैयार हो जाएगी। गंभीर ने कहा कि टीम प्रबंधन कुछ दिन के आराम के बाद फिर से अगले आईसीसी टूर्नामेंट के लिए योजना पर अमल करना शुरु करेगा।

गौरतलब है कि एकदिवसीय विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में खेला जाएगा। गंभीर जानते हैं कि वहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर खेलना आसान नहीं होता है। इसी को देखते हुए गंभीर ने कहा कि आईपीएल 2026 के तत्काल बाद टीम इस टूर्नामेंट की तैयारी शुरू हो जाएगी। वहीं मई के अंत तक खिलाड़ियों का चयन हो जाएगा। भारतीय टीम को उसके पहले 25 से 30 एकदिवसीय खेलने हैं जिसमें उसे अभ्यास का पर्याप्त अवसर मिल जाएगा। गंभीर ने कहा, 2027 विश्व कप की योजना आईपीएल के बाद शुरू होगी। आईपीएल 2026 और विश्व कप के बीच लगभग 25 से 30 वनडे मैच होने हैं। आजकल एकदिवसीय प्रारुप बहुत ज्यादा नहीं खेला जाता है। हम जितनी जल्दी इसकी योजना बनाना शुरू करेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा।

कोच ने आगे कहा, हमें मालूम है कि दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट खेलने के लिए आसान जगह नहीं है। हमें वहाँ के हालातों के हिसाब से सही संयोजन तलाशने होंगे और उन खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी जो उन हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। यह काम चयनकर्ता और कोचिंग स्टाफ करेंगे।'

ट्रंप विश्व कप 2026 में ईरानी टीम का स्वागत करेंगे : FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो

नई दिल्ली (एजेंसी)। FIFA चीफ जियानी इन्फेंटिनो ने बुधवार को कहा कि वह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप से मिले जिन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि ईरान का 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए 'स्वागत' है जिसे 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा मिलकर होस्ट करेंगे।

ईरान को अमेरिका में तीन मैच खेलने हैं लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय युद्ध के बीच उनके हिस्सा लेने पर शक है। ईरान, जो ग्रुप त्न में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ है, 15 जून को सिएटल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगा और आगे के ग्रुप गेम लॉस एंजिल्स और अटलांटा में होंगे।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में इन्फेंटिनो ने कहा कि उन्होंने और ट्रंप ने आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस पर चर्चा की और ईरान के मौजूदा हालात के बारे में भी बात की। इन्फेंटिनो ने एक पोस्ट में लिखा, 'मैं आने वाले FIFA वर्ल्ड कप की तैयारियों के स्टेटस और 93 दिनों में शुरू होने वाले बढ़ते उत्साह पर चर्चा करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स के प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप से मिला।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने ईरान के मौजूदा हालात और इस बात पर भी बात की कि ईरानी टीम ने FIFA वर्ल्ड कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए क्वालिफाई कर लिया है। बातचीत के दौरान प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोहराया कि ईरानी टीम का बेशक यूनाइटेड स्टेट्स में टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए स्वागत है।' ईरान ने पिछले साल एशियन क्वालिफाइंग के तीसरे राउंड में ग्रुप A में टॉप करके लगातार चौथे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया था।

पिछले हफ़्ते पोलिटिको के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'मुझे सच में कोई फ़र्क नहीं पड़ता, अगर ईरान हिस्सा लेता है,' और कहा कि 'मुझे लगता है कि ईरान बहुत बुरी तरह से हारा हुआ देश है। वे बेकार में जी रहे हैं।' मिलिट्री एक्शन शुरू होने के बाद ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कथित तौर पर कहा है कि यह तो तय है कि इन हमलों के बाद वर्ल्ड कप की तरफ उम्मीद से देखना मुश्किल है।'

गुजरात टाइटन्स ने पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज को बनाया असिस्टेंट कोच

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 सीजन से पहले भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को असिस्टेंट कोच बनाने की आज घोषणा की, जिससे फ्रेंचाइजी का कोचिंग सेटअप और मजबूत होगा। भारतीय क्रिकेट में एक सम्मानित व्यक्ति, दहिया ने 19 वनडे और दो टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व किया और कोचिंग में आने से पहले दिल्ली के साथ एक सफल घरेलू करियर का आनंद लिया।

बाद में उन्होंने 2007-08 सीजन में दिल्ली को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाया और तब से घरेलू और आईपीएल टीमों में एक मजबूत कोचिंग पोटफोलियो बनाया है। उनकी नियुक्ति हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को बैटिंग कोच के रूप में शामिल करने के बाद हुई है, जिससे आने वाले आईपीएल सीजन से पहले टाइटन्स के कोचिंग ग्रुप को और मजबूती मिली है।

2022 में डेब्यू करने के बाद से गुजरात टाइटन्स आईपीएल की सबसे लगातार अच्छा खेलने वाली टीमों में से एक बनकर उभरी है। वे अपने पहले चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ़ में पहुँची हैं और अपने पहले सीजन में ही टाइटल जीता है। एक मज़बूत कोचिंग स्ट्रक्चर के साथ, पूर्व चैंपियन अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड को और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे क्योंकि आईपीएल 2026 की तैयारियाँ ज़ोर पकड़ रही हैं।

सैमसन के नाम दर्ज हुआ अनौखा रिकार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार अपनी बेहतरीन प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन छाये रहे। सैमसन ने इस टूर्नामेंट में लगातार तीन अर्धशतक सहित कई रिकार्ड बनाये। इसके अलावा उन्होंने एक अनोखा रिकार्ड भी बनाया। सैमसन पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष या महिला वर्ग के किसी टूर्नामेंट में अपनी टीम की तरफ से चार मैचों में बाहर रहने के बाद भी 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार प्राप्त

सैमसन से पहले केवल चार खिलाड़ी ही ऐसे थे जिन्होंने अपनी टीम के सभी मैच नहीं खेलने के बावजूद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता था पर इन सभी खिलाड़ियों ने केवल एक मैच नहीं खेला था। वहीं सैमसन शुरुआत के चार मैचों से बाहर रहे थे। वह टूर्नामेंट की शुरूआत में सैमसन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और इसलिए उन्हें शुरुआती मैचों में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के फिट नहीं होने के कारण उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला जिसमें बेहतर प्रदर्शन कर वह टीम में जम गये।

सुपर-8 में शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाज होने के कारण टीम संयोजन को बेहतर बनाने दाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण सैमसन को जगह मिली जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाए. इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 और फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड दिया गया। भारत ने इस टूर्नामेंट में कुल नौ मैच खेले, जिनमें से सैमसन पांच मैच ही खेल पाए थे। वहीं आईसीसी के पुरुष या महिला वर्ग के टूर्नामेंट में इससे पहले 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' बनने वाले किसी खिलाड़ी ने या तो अपनी टीम के सभी मैच खेले थे या फिर वे केवल एक मैच से बाहर रहे थे।

हरभजन ने कीर्ती आजाद को दिया करारा जवाव, खेल को राजनीति में न घसीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विश्वकप ट्रॉफी को धार्मिक विवाद में घसीटने के लिए टीएमसी सांसद कीर्ती आजाद की कड़ी आलोचना की है। पूर्व क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने भारतीय टीम की विश्वकप जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव, कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के स्टेडियम के पास में बने हनुमान मंदिर में ट्रॉफी लेकर जाने पर सवाल उठाये थे। पूर्व क्रिकेटर रहे आजाद ने कहा था कि ट्रॉफी को किसी धर्म या समुदाय से नहीं जोड़ा जाना चाहिये, उसे अन्य धर्मस्थलों पर क्यों लेकर नहीं गये। इसी को लेकर हरभजन ने कहा कि इस प्रकार की विवादास्पद बातों की उन्हें आजाद जैसे पूर्व क्रिकेटर से उम्मीद नहीं थी। साथ कहा कि वे खेल को राजनीति में घसीटने का प्रयास न करें। हरभजन ने कहा, यह अजीब है कि आजाद इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं, जो समझ से परे है। भारतीय टीम ट्रॉफी को मंदिर, मस्जिद, चर्च, जहां चाहे ले जा सकती है। अगर उन्होंने अपने भगवान से कुछ मांगा है और उनकी इच्छा पूरी होने के बाद उन्होंने अपने विश्वास पर दोबारा सोचा है, तो इसमें क्या दिक्कत है? हरभजन ने कहा है कि उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत ने विश्व कप जीता है।

उन्होंने कहा, साथी क्रिकेटरों से ये बातें सुनना बुरा लगता है। इससे लगता है कि आजाद शायद खेल से ज्यादा राजनीति को पसंद कर रहे हैं। यह और भी बुरा है कि वह एक खिलाड़ी होते हुए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं। देश ने विश्व कप जीता है। खुश रहो, जश्न मनाओ पर तुम राजनीति करने में व्यस्त हो।

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की ऑलरांउडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि ऑलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा।वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

इंडियन वेल्स : रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जानिक सिनर

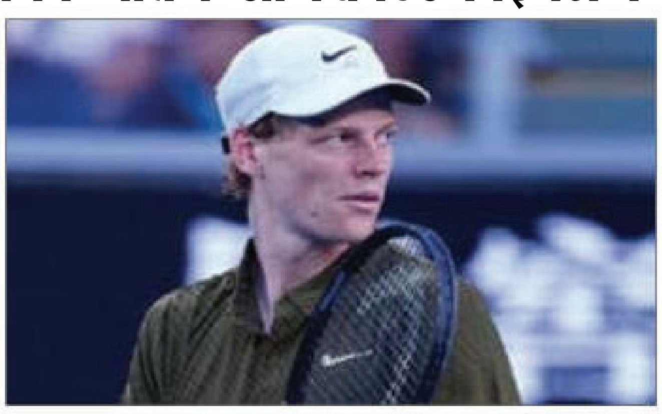

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो युवा प्रतिभाओं के बीच बहुप्रतीक्षित पहली मुलाकात इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन में खचाखच भरी भीड़ के सामने उम्मीदों पर खरी उतरी, जिसमें सिनर ने महत्वपूर्ण क्षणों में जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी तीसरी क्वार्टरफाइनल उपस्थिति सुनिश्चित की।

सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की और एक और टाई-ब्रेक में जोरदार समापन करके जीत हासिल की। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'जोआओ एक अविश्वसनीय खिलाड़ी है, अविश्वसनीय प्रतिभा है, दोनों तरफ से बहुत शक्तिशाली है। वह बहुत अच्छी सर्विस कर रहा था। मुझे लगा कि जितना संभव हो उतना आक्रामक होने की कोशिश करना महत्वपूर्ण है। दूसरे सेट के अंत में मैंने थोड़ी तीव्रता कम कर दी लेकिन उसने वहां अविश्वसनीय टेनिस खेला। माहौल अद्भुत रहा है, इसलिए मैं आज के मैच से बहुत खुश हूं।'

इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपनी 97वीं जीत दर्ज की, और श्रृंखला में किसी इतालवी द्वारा सबसे अधिक जीत के मामले में फैबियो फोगनिनी को पीछे छोड़ दिया। 24 वर्षीय खिलाड़ी अब 2024 की शुरुआत से खेले गए 12 एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में से 11 में क्वार्टर फाइनल चरण में पहुंच गए हैं। शुरूआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं दिखा और टाईब्रेक में फोन्सेका के 5-2 से आगे होने से पहले दोनों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी। हालांकि, सिनर ने लगातार 5 अंकों के साथ जवाब दिया, जिसमें 6-6 पर रिटर्न विनर भी शामिल था, सेट छीनने के लिए।

जब सिनर दूसरे सेट में 5-2 से आगे हो गए तो ऐसा लग रहा था कि वह आसानी से मैच खत्म कर देंगे, लेकिन 19 वर्षीय ब्राजीलियाई ने जोरदार वापसी की, इटालियन की सर्विस तोड़ दी और मजबूत अंकों के साथ एक और टाई-ब्रेक को मजबूर कर दिया, जिससे ब्राजीलियाई समर्थक स्टैंड में खड़े हो गए। हालाँकि, इटालियन ने एक बार फिर अपना हौसला बनाए रखा, टाई-ब्रेक के अंतिम चार अंक जीते और फोरहैंड रिटर्न विनर के साथ जीत पक्की की। क्वार्टर फाइनल में सिनर का अगला मुकाबला अमेरिकी लर्नर टीएन से होगा, क्योंकि 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दिन की शुरुआत में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को हराने के लिए दो मैच प्वाइंट बचाए थे।

इंडियन वेल्स : ओसाका को हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची सबालेंका

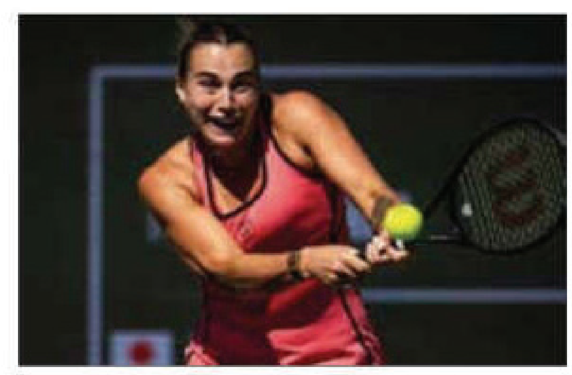

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6–2, 6–4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2–1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5–2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4–2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, 'यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। मैं अपने परफॉर्मेंस से पक्का खुश हूं।' दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7–5, 2–6, 6–1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की, यह उनका टॉप–10 खिलाड़ी के खिलाफ पहला मैच था। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर–फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

सिडनी। सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयीं थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन–रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें। चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए सभी मैच खेलने का प्रयास करेंगी। वह हालांकि एकदिवसीय सीरीज के कुछ मुकाबले नहीं खेलहैं, क्योंकि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान टी20 मुकाबलों पर है। अगर सोफी कुछ मैच नहीं खेल पाती हैं तो एश्ले गार्डनर और टालिया मैक्ग्रा को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम से सिर्फ एक खिलाड़ी को बाहर किया गया है और वह हैं ग्रेस हैरिस। चयनकर्ताओं ने हालांकि कहा कि उनके लिए टीम के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और वह टी20 विश्व कप की दौड़ में अभी भी शामिल हैं।चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर बल्लेबाज टालिया विल्सन को भी बेथ मूनी की जगह पर के रूप में टीम में शामिली कियाया है। बेथ मूनी 21 मार्च को डब्लूयसीएनएल फाइनल खेलने के बाद टीम से जुड़ेंगी। वहीं टी20 सीरीज 19 मार्च से शुरू हो रही है। उम्मीद है कि मूनी तीसरे और अंतिम टी20 मैच में खेल सकती हैं।

नेमार ने वर्ल्ड कप में खेलने को लेकर आशंका के बीच निकाला गुस्सा, कहा- करीबी लोगों ने किया निराश

रियो डी जेनेरियो (एजेंसी)। नेमार ने मिरासोल के साथ सैंटोस के अवे मैच के लिए टीम से बाहर किए जाने पर गुस्सा जताया, जिससे इस साल के फीफा वर्ल्ड कप से पहले उनकी फिटनेस पर नए शक पैदा हो गए हैं। 34 साल के इस खिलाड़ी के मंगलवार रात के सीरी ए मैच में चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीद थी।

ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (CBF) ने पहले कहा था कि नेशनल टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी इस महीने के आखिर में फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों के लिए अपनी टीम का नाम बताने से पहले नेमार का हालचाल जानने के लिए मैच में आएंगे। लेकिन इस फैसले से यह चिंता बढ़ गई कि क्या बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार जून और जुलाई में होने वाले फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार होंगे।

नेमार ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, 'क्योंकि बहुत से लोग मेरे साथ जो हो रहा है, उसके बारे में थ्योरी बना रहे हैं, कुछ नहीं हो रहा है। अगर मैं चोटिल होकर खेलता हूं, जैसा कि उन्होंने पिछले साल कहा था, तो मैं गलत हूं। अगर मैं सिर्फ अपने बारे में सोचता हूं, तो मैं गलत हूं। अगर मैं खुद को रोकता हूं, तो मैं गलत हूँ। अगर मैं दर्द के साथ खेलता हूं या ऐसी किसी चीज के साथ जो इसे और खराब कर सकती है, तो मैं गलत हूं। यह मुश्किल है, है ना? इसे सही करना बहुत मुश्किल है, यार। बहुत मुश्किल, सबको खुश करना बहुत मुश्किल है।'

नेमार, जो 128 गेम में 79 गोल के साथ ब्राजील के ऑल-टाइम लीडिंग स्कोरर हैं, ने कहा कि उन्हें अपने करीबी लोगों ने निराश किया है, लेकिन उन्होंने ज़्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा हैरानी उन लोगों से होती है, असल में, यह मुझे हैरान नहीं करता, जो हर दिन मेरे साथ रहते हैं और कहानियां बनाना शुरू कर देते हैं, यह-वह कहते हैं जैसे कि यह बिल्कुल सच हो, जैसे कि वे ही सब कुछ जानते हों। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल है, हे भगवान। आप सभी को झेलने के लिए मुझे बहुत सब्र रखना होगा।'

दिसंबर में अपने बाएं घुटने की आर्थोस्कोपिक सर्जरी के बाद नेमार इस साल सैंटोस के लिए सिर्फ तीन मैच खेले हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फटने के बाद से वह ब्राजील के लिए नहीं खेले हैं, इस चोट की वजह से वह एक साल से ज़्यादा समय

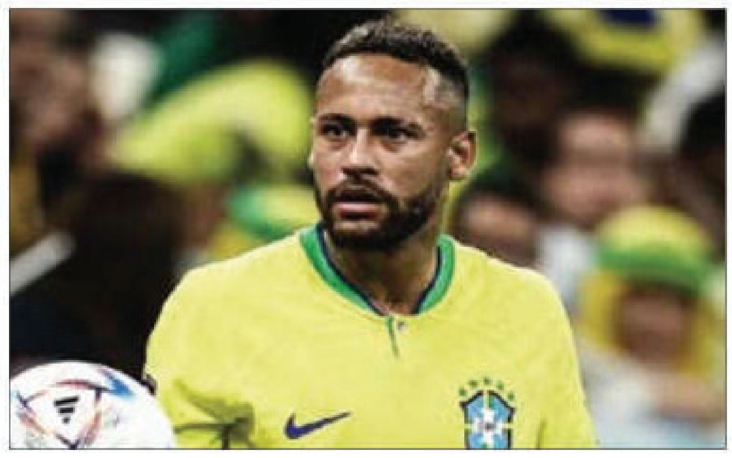

तक बाहर रहे। एंसेलोटी ने कहा है कि वह अपनी वर्ल्ड कप टीम चुनते समय सिर्फ उन खिलाड़ियों पर विचार करेंगे जो अपने क्लब के लिए रेगुलर खेल रहे हैं।

मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप और वंशिका

मसूरी । भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव की शादी 14 मार्च को मसूरी के ऐतिहासिक सेवॉय होटल में होने वाली है। ये वही होटल है जिसमें कभी भारतीयों का प्रवेश भी वर्जित था। कुलदीप ब्रिटिश दौर में बने इस प्रतिष्ठित होटल में अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। होटल कर्मचार भी स्टार खिलाड़ी की शादी के कार्यक्रम को लेकर उत्साहित हैं। इस होटल का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है। अब यही जगह एक भारतीय खिलाड़ी की शादी की मेजबानी करने जा रही है। साल 1902 में शुरू हुआ सेवॉय होटल मसूरी की पहचान माना जाता है। ब्रिटिश काल में यह होटल अंग्रेज अधिकारियों और यूरोपीय मेहमानों के लिए बनाया गया था। अंग्रेजों ने गर्मियों में मसूरी की खूबसूरत वादियों का आनंद उठाने के लिए इस होटल का निर्माण कराया था। उस समय भारतीयों को यहां ठहरने की अनुमति नहीं थी, लेकिन धीरे–धीरे यह होटल सभी के लिए खुला और समय के साथ देश–विदेश के कई प्रतिष्ठित लोगों की मेजबानी करता रहा। गौरतलब है कि सेवॉय होटल अपनी भव्य वास्तुकला, पुराने ब्रिटिश दौर की झलक और ऐतिहासिक महत्व के कारण आज भी विशेष माना जाता है। अब इसी ऐतिहासिक होटल में कुलदीप यादव का विवाह समारोह आयोजित होने जा रहा है, जिसे लेकर मसूरी में बेहद उत्साह का माहौल है।

अली अब्बास जफर की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगे अहान पांडे

अहान पांडे ने पहली ही फिल्म से शानदार शुरुआत की। बीते साल आई 'सैयारा' ने जबर्दस्त कमाई की। डेब्यू फिल्म के बाद अहान अली अब्बास जफर की फिल्म में नजर आएंगे। इसमें वे एक्शन का दम दिखाएंगे और इसके लिए अपनी फिजीक पर बहुत मेहनत कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर 'सैयारा' के बाद अहान की दूसरी फिल्म के शूट को लेकर अपडेट सामने आया है।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

अली अब्बास जफर की फिल्म में अहान पांडे के अलावा शरवरी भी नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अहान इस साल मार्च के आखिरी हफ्ते में मुंबई में इस एक्शन रोमांस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अहान के साथ फिल्म की लीडिंग लेडी शरवरी भी शूटिंग शुरू करेंगी। टीम का प्लान है कि पहला शेड्यूल मुंबई में लगभग एक महीने के बीच शूट किया जाए।

लंदन में करेंगे बड़े एक्शन सीन

फिलहाल अहान की इस फिल्म का टाइटल तय नहीं है। इस फिल्म के लिए वे इंटेंस वर्कआउट सेशन कर रहे हैं। एक्टर को कई बार जिम के बाहर फैंस से मिलते हुए देखा गया है और इसके कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं। कहा जा रहा है कि अहान पांडे स्टारर इस फिल्म में जबर्दस्त एक्शन शेड्यूल है। लंदन में शूटिंग मई 2026 में शुरू होने की उम्मीद है, जहां अहान पांच दिनों में एक बड़े एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे।

कब रिलीज हो सकती है फिल्म?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अहान पांडे अली अब्बास जफर निर्देशित इस फिल्म में अपने किरदार के लिए ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। इसमें फाइट की इंटेंस प्रैक्टिस और हथियार चलाने की ट्रेनिंग शामिल है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में वह अपने रोमांटिक डेब्यू के मुकाबले बिल्कुल नए और अलग एक्शन वाले अवतार में दिखेंगे। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग जुलाई 2026 तक पूरी करने की तैयारी है और इसे अगले साल तक सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान है।

एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'वृषकर्मा' में आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं मीनाक्षी चौधरी

राक्षसी शक्ति का नाश करते नजर आएंगे नागा चैतन्य

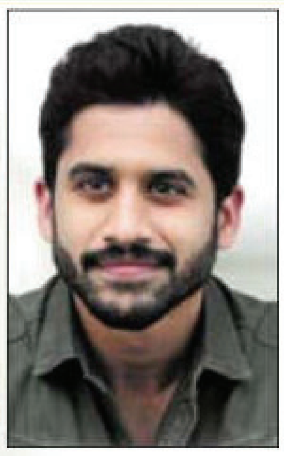

एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म 'वृषकर्मा' की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं।

इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है।

जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं।

फिल्म 'वृषकर्मा' के बारे में

'वृषकर्मा' एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्माजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

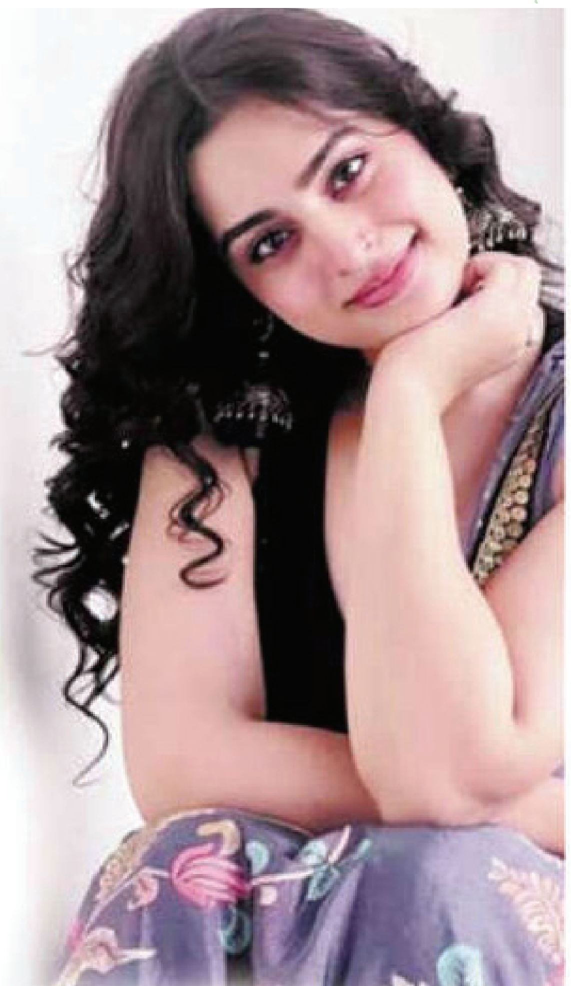

बॉडी फिगर की वजह से आयशा खान ने किया रिजेक्शन का सामना

फिल्म अभिनेत्री आयशा खान ने अपने बॉडी शेमिंग और उन्हें सोशल मीडिया पर मिलने वाली दुष्कर्म की धमकियों के बारे में अपना दुख बयां किया। एक्ट्रेस ने इससे जुड़े अपने कड़वे अनुभव को भी साझा किया।

अभिनेत्री आयशा खान, आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' के गाने शरारत में नजर आई थीं। उन्होंने याद करते हुए बताया कि, जब वो बारहवीं कक्षा में थीं तब उन्हें टी-सीरीज के एक गाने में सेकंड लीड की भूमिका निभाने का मौका मिला था। मगर शूटिंग से सिर्फ एक रात पहले उन्हें रोल के लिए ओवर वेट होने कारण हटा दिया गया। आगे 'वी द वुमन' कार्यक्रम में आयशा ने कहा कि उन्हें इससे उभरकर अपने लुक को लेकर आत्मविश्वास महसूस करने में काफी वक्त लगा। एक्ट्रेस आयशा खान ने कहा कि, ' सोशल मीडिया पर हर रोज मेरे शरीर के लेकर अभद्र कमेंट्स का सामना करना होता है। एक साधारण सा टॉप भी पहनती हूं तो लोगों के रिएक्शन का डर रहता है। स्कर्ट भी पहनती हूं तो लोगों को बुरा लगता है। इस वजह से अब कुछ भी पोस्ट करने से पहले सोचना पड़ता है कि लोग इसे किस तरह से देखेगें। इन सब की वजह से मुझे काफी डर भी लगता है कि पता नहीं वो मेरे साथ क्या करना चाहते हैं। मनचाहा पोस्ट करने पर मेरा कमेंट सेक्शन पढ़ने का मन भी नहीं करता। क्योंकि उसमें वो लिखते हैं कि उन्हें मौका मिले तो वह मेरे साथ क्या करना चाहते हैं।

हर दिन मिलती हैं दुष्कर्म की धमकियां

शरारत फेम आयशा खान ने अपने उत्पीड़न के बारे में बताया कि, 'अगर इन धमकियां देने वालों में इतनी ताकत होती तो वह रेपिस्ट ही बन जाते। यह सिर्फ मामूली टिप्पणियां नहीं हैं। मुझे हर रोज ऐसी धमकियां मिलती हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि इन सब पर कड़ी कार्यवाही की जा सके। मगर में यह सोचती हूं कि अगर में सेलिब्रिटी न होती तो शायद ये धमकियां सच्चाई बन जातीं।

टीवी से की थी शुरूआत

आयशा खान ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयी थीं। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

हॉलीवुड में काम करना चाहती हैं ऋचा चड्ढा

एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने साल 2008 में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी और करीब दो दशकों में उन्होंने अपने अलग और दमदार किरदारों से इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई है। अब 39 साल की ऋचा अपने करियर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही हैं और हॉलीवुड में भी मजबूत पहचान बनाना चाहती हैं। ऋचा कहती हैं कि वे अपने पति और एक्टर अली फजल के नक्शे-कदम पर चलना चाहती हैं, जिन्होंने हॉलीवुड और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। अली फजल 'फ्यूरियस' 7 (2015), विक्टोरिया एंड अब्दुल (2017), डेथ ऑन द नील (2022) और कंधार (2023) जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। ऋचा ने कहा, 'मैं भी अली के रास्ते पर चलना चाहती हूं और वेस्ट में कुछ अच्छा काम करना चाहती हूं। भला कौन ऐसा नहीं चाहता? अली ने जिस तरह भारत और विदेश दोनों जगहों पर काम को संभाला है, वह वाकई कमाल का है। उन्हें दोनों दुनिया को इतनी खूबसूरती से बैलेंस करते देखना अपने आप में प्रेरणादायक है। अगर मुझे अच्छी स्क्रिप्ट और दमदार किरदार मिलता है तो मैं हॉलीवुड में काम करना जरूर पसंद करूंगी।'

'बैटल ऑफ गलवां' के बाद एक्शन फिल्म में नजर आएंगे सलमान खान

सलमान खान ने 'बैटल ऑफ गलवां' फिल्म की शूटिंग के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म साइन कर ली है। यह फिल्म एक बड़ा बजट वाली एक्शन थ्रिलर है। इसे तेलुगु के मशहूर प्रोड्यूसर दिल राजू बनाएंगे। निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे, जो नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं और थलपति विजय की फिल्म 'वरिसु' के डायरेक्टर हैं। सलमान को वामशी पेडिपल्ली की फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। फिल्म में ढेर सारा एक्शन होगा और साथ ही मजबूत इमोशनल कहानी भी है। यह एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जिसमें कई बड़े सितारे काम कर सकते हैं। अभी हीरोइन का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन एक जानी-मानी अभिनेत्री से बात चल रही है। सलमान अभी अपूर्वा लखिया की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म 2020 के गलवान घाटी युद्ध पर आधारित है।

मुख्य भूमिका में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

इस फिल्म में सलमान के साथ मुख्य भूमिका में चित्रांगदा सिंह नजर आएंगी। यह अप्रैल 2026 पर रिलीज हो सकती है।

'बैटल ऑफ गलवां' पूरी होने के बाद, सलमान अप्रैल 2026 से नई फिल्म (दिल राजू वाली) की शूटिंग शुरू करेंगे। यह फिल्म 2027 में सिनेमाघरों में आने की उम्मीद है। इसके अलावा सलमान जल्द ही राज एंड डीके की एक सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर सकते हैं। सलमान के फैंस उनकी पिछली फिल्म 'सिकंदर' के फ्लॉप होने के बाद अब नई हिट का इंतजार कर रहे हैं।

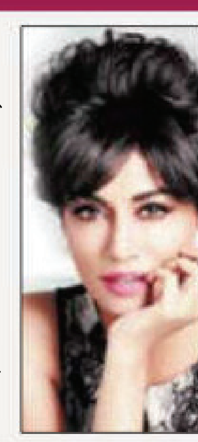

नेपोटिज्म पर सैफ अली खान ने दी प्रतिक्रिया

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अक्सर ही बहस छिड़ी रहती है। आउटसाइडर इसको लेकर इल्जाम लगाते रहते हैं। जबकि स्टारकिड अपना पक्ष भी रखते रहते हैं। अभिनेता सैफ अली खान भी एक स्टारकिड हैं और उनके दो बच्चे इब्राहिम अली खान और सारा अली खान भी फिल्म इंडस्ट्री में हैं। अब सैफ ने इस बारे में बात की। उनका मानना है कि पारिवारिक संबंधों के कारण उन्हें जो अवसर मिले हैं, वे उन लोगों की तुलना में बेहद अन्यायपूर्ण हैं, जिन्हें ये प्रिवलेज नहीं हैं।

स्टारकिड्स प्रिवलेज्ड हैं

अपनी बहन सोहा अली खान के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सैफ अली खान ने कहा कि भाग्यशाली लोगों और गुमनाम, दुर्भाग्यशाली लोगों में बहुत बड़ा अंतर होता है, जिन्हें पहचान बनाने के बहुत कम मौके मिलते हैं। इसीलिए यह देखना अद्भुत है कि कोई गिटारिस्ट, म्यूजिक डायरेक्टर या अभिनेता बनकर बिना किसी गॉडफादर या मशहूर माता-पिता के सहारे जमीनी स्तर से सफलता की सीढ़ियां चढ़ता है। माता-पिता की लोकप्रियता के कारण हमें जो सफलता मिलती है, वह बेहद अन्यायपूर्ण है और हमारे लिए एक प्रिवलेज है। नेपोटिज्म पर मेरा यही नजरिया है।

लोग तब उठाते हैं सवाल

बातचीत के दौरान सैफ ने आगे कहा कि जब आप अपने काम में माहिर हो जाते हैं, तो दर्शक संतुष्ट हो जाते हैं। लेकिन समस्या तब आती है जब आपको बार-बार मौके मिलते हैं और आप अपने काम में बिल्कुल बेकार होते हैं। तब लोग कहते हैं, 'अरे, ये क्या हो रहा है? किसी को मौका नहीं मिल रहा और उस व्यक्ति को बार-बार मौका मिल रहा है। मुझे लगता है, ये बहुत गलत है।

मदद करने की सीमा होती है

इंडस्ट्री का हिस्सा बन चुके अपने बच्चों सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के बारे में भी सैफ ने बात की। उन्होंने कहा कि उनकी मदद करने की भी एक सीमा होती है। मैं निश्चित रूप से अपने सभी बच्चों का समर्थन करूंगा, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है। मैं इब्राहिम से भी कहता हूं। मेरा मतलब है कि मुझे नहीं पता कि इस समय मुझे तुम्हारे साथ खड़े होकर तुम्हारा हाथ थामना चाहिए या नहीं, क्योंकि तुम पहले ही अपनी हैसियत की वजह से बहुत कुछ हासिल कर चुके हो। इसलिए तुम्हें ये सब खुद करना होगा।

इब्राहिम की एक्टिंग की हुई थी आलोचना

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम अली खान ने पिछले साल फिल्म 'नादानियां' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसके बाद ओटीटी पर ही उनकी अगली फिल्म 'सरजमीं' भी आई थी। हालांकि, इन दोनों फिल्मों में उनकी एक्टिंग की काफी आलोचना हुई थी। अब अगली बार इब्राहिम 'दिलर' में नजर आएंगे, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं सैफ अली खान की पाइपलाइन में 'हैवान' शामिल है, इसमें वो अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने पाकिस्तान में जारी किया सुरक्षा अलर्ट, धार्मिक जुलूसों में हिंसा भड़कने का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान में स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने सभी कर्मियों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में धार्मिक जुलूसों के दौरान हिंसा भड़क सकती है। इसके चलते मंगलवार दोपहर से सभी अमेरिकी कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। बयान में कहा गया है कि अमेरिकी दूतावास लाहौर, कराची और पेशावर समेत सभी महावाणिज्य दूतावासों पर नजर रखे हुए है। धार्मिक जुलूसों के दौरान यातायात जाम और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अमेरिकी लोगों को पाकिस्तान में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

बहरीन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-करप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में 'भ्रामक' वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है। ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने देशवासियों और विदेशी निवासियों को चेतावनी दी है कि वे बिना अनुमति के वीडियो, तस्वीरें या जानकारी साझा न करें, खासकर जो राष्ट्रीय सुरक्षा या वर्तमान संघर्ष से संबंधित हों।

नेपाल में सियासी तस्वीर बदली, आरएसपी को दो-तिहाई बहुमत; अगले हफ्ते बालेंद्र सरकार गठन की प्रक्रिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव के नतीजों ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अब अगले सप्ताह के बाद नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। आरएसपी ने काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया है, जिससे नेपाल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार प्रत्यक्ष चुनाव की 165 में से 164 सीटों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इनमें आरएसपी ने 125 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल की है। समानुपातिक प्रणाली के तहत मिलने वाली सीटों के बाद पार्टी की कुल संख्या 183 तक पहुंच जाएगी। 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में यह संख्या दो-तिहाई बहुमत के बराबर है। इसके बाद अब संविधान के तहत नई सरकार के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार आरएसपी को मिले वोटों के आधार पर समानुपातिक प्रणाली से 58 सीटें मिलेंगी। इस तरह प्रतिनिधि सभा में उसके सांसदों की कुल संख्या 183 हो जाएगी। 275 सदस्यीय सदन में यह लगभग 66 प्रतिशत बहुमत है। इससे पार्टी को सरकार बनाने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले लेने में भी मजबूती मिलेगी। चुनाव में अन्य प्रमुख दलों का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। नेपाली कांग्रेस को प्रत्यक्ष चुनाव से 18 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 19 सीटें मिलने की उम्मीद है। इस तरह इसके कुल सांसद 37 होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेकपा एमाले को प्रत्यक्ष चुनाव से 8 सीटें मिली हैं और समानुपातिक प्रणाली से 16 सीटें मिलने की संभावना है। इससे उसके कुल सांसद 24 हो जाएंगे। वहीं प्रचंड की पार्टी को कुल 17 सीटें मिलने का अनुमान है। निर्वाचन आयोग का लक्ष्य अगले सप्ताह तक अंतिम चुनावी रिपोर्ट राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को सौंपना है। संविधान के अनुसार रिपोर्ट मिलने के बाद नई सरकार के गठन की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा अंतिम परिणाम घोषित होने के एक महीने के भीतर संसद का सत्र बुलाना अनिवार्य है। नई सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री को एक महीने के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा।

यह युद्ध की तैयारी है...बहन बोली- कल्पना से परे होंगे नतीजे

अमेरिका की हरकतों से भड़के किम जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन अमेरिका की ताजा हरकतों से भड़के हुए हैं। उन्होंने पहले भी कई मौकों पर अमेरिका और अपने पड़ोसी दक्षिण कोरिया को चेतावनी दी है। ताजा मामला भी युद्ध अभ्यास से जुड़ा है जिसे किम जोंग उकसावे वाला कृत्य मान रहे हैं। किम जोंग उन की प्रभावशाली बहन किम यो जोंग ने इस सप्ताह शुरू हुए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की है। किम यो जोंग ने इसे उकसाने वाला और आक्रामक युद्ध का पूर्वाभ्यास करार दिया है, जो क्षेत्रीय स्थिरता को भारी नुकसान पहुंचाएगा। इससे पहले नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने मिडिल ईस्ट (ईरान) में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई की तीखी आलोचना की थी।

उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को किम यो जोंग ने अपने बयान में कहा कि 'फ्रीडम शील्ड' नामक यह वार्षिक सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया के प्रति इन सहयोगी देशों की आदतन शत्रुतापूर्ण नीति को उजागर करता है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास में 18,000 से अधिक दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सैनिक शामिल हैं और यह उत्तर कोरिया के क्षेत्रीय भूभाग, समुद्र, हवा, बाहरी अंतरिक्ष और साइबरस्पेस में दिन-रात चलाया जा रहा है।

उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सैन्य शक्ति का यह प्रदर्शन ऐसे भयानक परिणामों को जन्म दे सकता है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि हालिया वैश्विक संकटों से यह स्पष्ट हो गया है कि शत्रु ताकतों के सैन्य युद्धाभ्यास में अब केवल 'अभ्यास' और 'वास्तविक युद्ध' या 'रक्षा' और 'हमले' के बीच कोई अंतर नहीं रह गया है। उन्होंने इसे सीधे तौर पर 'युद्ध की तैयारी' बताया।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया का पक्ष

दूसरी ओर, अमेरिका और दक्षिण कोरिया का कहना है कि 9 मार्च से 19 मार्च तक चलने वाला यह सैन्य अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक प्रकृति का है। इसका मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों के खतरे से निपटने के परिदृश्यों पर काम करना है। दोनों देशों के अधिकारियों के अनुसार, यह सैन्य अभ्यास अमेरिका से दक्षिण कोरिया को 'युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण' सौंपने की तैयारियों का भी एक हिस्सा है। दक्षिण कोरिया का लक्ष्य है कि राष्ट्रपति ली जे मायुंग के कार्यकाल के समाप्त होने (वर्ष 2030) से पहले सैन्य कमान का यह हस्तांतरण पूरा कर लिया जाए।

ईरान के हालात और परमाणु हथियारों पर जोर

विश्लेषकों का मानना है कि यह युद्धाभ्यास उत्तर कोरिया के लिए बेहद संवेदनशील समय पर हो रहा है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के नेतृत्व को निशाना बनाकर किए जा रहे ऑपरेशनों को देखते हुए, उत्तर कोरिया की अपने परमाणु हथियारों पर निर्भरता और भी पुख्ता हो सकती है। दक्षिण कोरिया के क्युंगनम विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ लिम इयूल-चुल के अनुसार किम यो जोंग का यह कहना कि 'आक्रामक शक्ति ही सबसे अच्छा बचाव है', इस बात को दर्शाता है कि वे ईरान जैसा हश्र नहीं झेलना चाहते। यह बयान देश और दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि परमाणु हथियार छोड़ने का मतलब उनके लिए तबाही होगा।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच अमेरिका ने दक्षिण कोरिया के साथ शुरू किया बड़ा सैन्य अभ्यास : पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिका ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के साथ मिलकर एक बड़ा सैन्य अभ्यास शुरू किया, जिसमें हजारों सैनिकों के हिस्सा ले रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया का यह सैन्य अभ्यास फरवरी में उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी की कांग्रेस बैठक के ठीक बाद हो रहा है, जिसमें नेता किम जोंग उन ने खुले तौर पर घोषणा की थी कि वह अपने देश के परमाणु शस्त्रागार का और अधिक विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ' ने कहा कि लगभग 18,000 कोरियाई सैनिक इस 'फ्रीडम शील्ड' अभ्यास में हिस्सा लेंगे, जो 19 मार्च तक चलेगा। अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में इस अभ्यास में शामिल अपने सैनिकों की संख्या नहीं बतायी है। इन दोनों सहयोगी देशों का यह संयुक्त अभ्यास ऐसे समय में हो रहा है जब दक्षिण कोरियाई मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि अमेरिका कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटा कर ईरान के खिलाफ लड़ाई में ले जा रहा है। 'यूएस फोर्सेज कोरिया' ने पिछले सप्ताह कहा था कि सुरक्षा कारणों से वह सैन्य संसाधनों की विशिष्ट गतिविधियों पर टिप्पणी नहीं करेगी।

अगर हमे खतरा हुआ तो दक्षिण कोरिया को मिटा देंगे: उत्तर कोरिया : उत्तर कोरिया लंबे समय से सहयोगी देशों के संयुक्त अभ्यासों को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताता रहा है और इसे अपने सैन्य प्रदर्शनों और हथियार परीक्षणों को बढ़ाने का बहाना बनाता रहा है। अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया का कहना है कि ये अभ्यास रक्षा उद्देश्य के लिए होते हैं। पिछले महीने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी थी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को 'पूरी तरह से मिटा' सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच वर्षों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है और उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है, जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मॉस्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है। आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने कहा कि किम ने अपनी परमाणु-संपन्न सेना को मजबूत करने के लिए नयी हथियार प्रणालियों को विकसित करने का भी आह्वान किया।

ईरान का खतरनाक प्लान हुआ फेल?: अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है।

अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था। बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं।

कथित ईरान के संदेश को लेकर किए जा रहे दावे कुछ इस प्रकार हैं–

यह संदेश एन्क्रिप्टेड था। मतलब, इसे केवल वे लोग पढ़ सकते हैं जिनके पास इसका कोड है।

संदेश कई देशों में भेजा गया। इसके लिए एक नया रेडियो स्टेशन का इस्तेमाल हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होता है।

अभी तक इस संदेश का पूरा मतलब नहीं पता चला है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

दावों पर अमेरिका ने क्या कहा? : खुफिया एजेंसियों के इन दावों के बाद अमेरिका ने सभी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे असामान्य रेडियो संकेतों और गतिविधियों पर नजर रखें।

ईरान जंग- पाकिस्तान में तेल महंगा, स्कूल बंद

मंत्रियों की सैलरी-विदेश दौरे रोके; सरकारी दफ्तर हफ्ते में 4 दिन खुलेंगे, कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बढ़ती तेल कीमतों को देखते हुए खर्चों में कटौती योजना का ऐलान किया है। इसके तहत सरकारी दफ्तर हफ्ते में सिर्फ चार दिन खुलेंगे और आधे कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इस हफ्ते के अंत से स्कूल दो हफ्तों के लिए बंद रहेंगे।

पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो न्यूज के मुताबिक, मंत्रियों और सलाहकारों के विदेश दौरे रोक दिए गए हैं। मंत्री दो महीने तक वेतन नहीं लेंगे और सांसदों की सैलरी में 25% की कटौती होगी। वहीं, पाकिस्तान में अब दो महीने तक सरकारी गाड़ियों को 50% कम ईंधन मिलेगा। 60% सरकारी वाहन नहीं चलेंगे। सभी सरकारी विभाग अपने खर्च में 20% कटौती करेंगे। शरीफ ने कहा कि अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की वजह से कच्चे तेल की कीमत

60 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा हो गई है। इस वजह से यह निर्णय लिए गए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी : पाकिस्तान ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20% की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपए (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत अब 335.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 321.17 रुपए प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया है।

पेट्रोल पंपों पर भीड़ जमा हुई : कीमतों में बढ़ोतरी की खबर आने के बाद होते ही पाकिस्तान के बड़े शहरों जैसे लाहौर और कराची में पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ जमा हो गई। लोग घंटों अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। लोगों को डर है कि आने वाले दिनों में कहीं तेल की किल्लत न हो जाए।

बांग्लादेश में पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर लिमिट : बांग्लादेश सरकार को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लिमिट लागू करनी पड़ी है। ढाका सहित कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं और लोग डर के कारण ज्यादा तेल खरीदकर जमा करने की कोशिश कर रहे हैं। जमाखोरी और अफवाहों को रोकने के लिए बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसी) ने सख्त नियम लागू किए हैं। अब बाइक के लिए दिन में सिर्फ 2 लीटर पेट्रोल ही मिलेगा।

निजी कारों के लिए अधिकतम 10 लीटर की सीमा तय की गई है, जबकि बसों और ट्रकों के लिए 70 से 220 लीटर तक की लिमिट रखी गई है। हर पेट्रोल पंप पर रसीद देना जरूरी कर दिया गया है और पिछली खरीद की रसीद दिखाए बिना नया ईंधन नहीं मिलेगा। सरकार ने लोगों से घबराकर तेल जमा न करने की अपील की है।

अफगानिस्तान युद्ध के कारण आईएमएफ किस्त पर खतरा : पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर चल रहे युद्ध के कारण पाकिस्तान को मिलने वाली ढ्ढरूस्न फंडिंग की अगली किस्त खतरे में पड़ गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बात कही गई है। आईएमएफ की एक टीम इस समय पाकिस्तान के दौरे पर है और वह देश की अर्थव्यवस्था की तीसरी समीक्षा कर रही है।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे हिंदुओं पर हमले, दो की हत्या

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले एक सप्ताह में अलग-अलग जिलों में दो हिंदुओं की हत्या और एक मंदिर पर बम हमला होने से हालात को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। मानवाधिकार संगठनों ने इन घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताते हुए सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि हालिया राजनीतिक बदलाव के बाद अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं।

हाल के दिनों में हुई घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंदू समुदाय खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एक ओर हत्या की घटनाएं सामने आई हैं तो दूसरी ओर मंदिर में बम फेंककर धार्मिक

माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

क्या बोगुरा में कोचिंग संचालक की हत्या से बढ़ी चिंता? : 6 मार्च की रात बांग्लादेश के बोगुरा जिले में 40 वर्षीय चायोन राजभर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। चायोन राजभर एक कोचिंग सेंटर चलाते थे और स्थानीय स्तर पर शिक्षा से जुड़े कामों के कारण जाने जाते थे। बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक हमला किया और मौके से फरार हो गए। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है।

क्या कॉक्स बाजार में रंगदारी के विरोध की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी? : 7 मार्च को कॉक्स बाजार जिले में 29 वर्षीय गणेश पाल की हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक उनसे रंगदारी मांगी जा रही थी और उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद हमलावरों ने उन्हें मार डाला। इससे पहले भी चटगांव में रंगदारी का विरोध करने पर आकाश दास की हत्या कर दी गई थी। इसी क्षेत्र के चंदनैश उपजिला के बदुरपारा में 70 वर्षीय चंदन दे को मवेशी चोरी रोकने के कारण मार दिया गया था।

क्या मंदिर में बम हमले से धार्मिक तनाव बढ़ा? : 8 मार्च की शाम कुमिला शहर के कालीगाछ ताला काली मंदिर में पूजा के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने देसी बम फेंक दिए। इस हमले में पुजारी केशब चक्रवर्ती समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। कुमिला के पुलिस अधीक्षक एमडी अनीसुज्जमां ने मौके का दौरा कर जांच के आदेश दिए हैं।

अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिकों को कानून का पालन करना होगा या देश छोड़ना होगा : हरमीत ढिल्लों

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लों ने सोमवार को कहा कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों जिनमें कॉलेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्र भी शामिल हैं, को अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा। ऐसा न करने वाले देश में रहने का अधिकार खो सकते हैं।

अमेरिका की सहायक अटॉर्नी जनरल हरमीत ढिल्लों ने कहा कि अमेरिका में आने वाले विदेशी आगंतुकों खासकर कॉलेज परिसरों में पढ़ने वाले छात्रों को अमेरिकी कानूनों का पालन करना होगा, अन्यथा उन्हें देश छोड़ना पड़ सकता है। द ब्रीफ को दिए एक साक्षात्कार में ढिल्लों ने कहा कि यदि आगंतुक कानून का उल्लंघन करते हैं या विश्वविद्यालय परिसरों में अव्यवस्था फैलाते हैं तो अधिकारियों को सख्त नियम लागू करने चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अमेरिका में आने वाले आगंतुकों को कानून का पालन करना होगा, खासकर कॉलेज परिसरों में, वरना उन्हें यहां से जाना होगा।' सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि न्याय विभाग छात्रों के खिलाफ हिंसा या नफरत को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा और उनके नागरिक अधिकारों की रक्षा करेगा। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में चल रहे तनाव के बीच आई है। ये तनाव 7 अक्टूबर 2023 को इज़राइल पर हुए हमलों और उसके बाद शुरू हुए मध्य-पूर्व संघर्ष से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद बढ़े हैं।

ढिल्लों ने अमेरिकी परिसरों में हुई अशांति का जिक्र करते हुए कहा कि कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में

यहूदी-विरोध (एंटीसेमिटिज़्म) और उग्र विरोध प्रदर्शनों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। उन्होंने कहा, 'आज हमारे आइवी लीग संस्थानों में भी एंटीसेमिटिज़्म और 7 अक्टूबर 2023 से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के कारण काफी अशांति देखने को मिल रही है।' जब आगंतुक कानून तोड़ते हैं तो अधिकारियों को शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर आप इस देश में मेहमान हैं तो आपको हमारे कानून तोड़ने या हमारे परिसरों में अव्यवस्था फैलाने का अधिकार नहीं है। ढिल्लों ने जोर दिया कि अमेरिका आने वाले विदेशी नागरिक मेहमान की तरह आते हैं और उन्हें देश के कानूनी ढांचे का सम्मान करना चाहिए। 'आप मेहमान हैं, आगंतुक हैं। आप यहां आकर घर के सोफे पर पैर फैलाकर यह उम्मीद नहीं कर सकते कि आपका गर्मजोशी से स्वागत होगा।'

अमेरिका को, अन्य देशों की तरह, अपने कानून लागू करने और यह तय करने का अधिकार है कि कौन देश में रह सकता है। ढिल्लों ने कहा, 'यह बिल्कुल उचित है कि हमारा देश, जैसे अन्य देश करते हैं, अपनी सीमाओं की निगरानी करे और कहे कि अगर आप हमारे कानूनों का पालन नहीं करेंगे, तो आपको यहां से जाना होगा।'

ट्रम्प ने ईरान जंग पर पुतिन से बात की, कहा- रूस लड़ाई खत्म करने में मदद करना चाहता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का 11वां दिन हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से ईरान जंग और यूक्रेन के हालात पर 1 घंटे फोन पर बात की। ट्रम्प ने बताया कि पुतिन ने कहा है कि रूस, ईरान जंग खत्म कराने में मदद करना चाहता है। हालांकि ट्रम्प ने उनसे कहा कि अगर वे रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करें तो वो ज्यादा बेहतर होगा। फ्लोरिडा में मीडिया से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह उनकी और पुतिन की पहली बातचीत थी। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा हुआ है। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि पिछले 10 दिन में अमेरिका ने 51 ईरानी जहाज डुबो दिए हैं और हजारों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

करीब एक घंटे चली बातचीत : क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार

ड्ढह्वह्द्ध ह्वद्धड्डद्मश1 ने बताया कि यह फोन कॉल वॉशिंगटन की पहल पर हुआ और लगभग एक घंटे तक चला। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच विचारों का 'विशेष और उपयोगी आदान-प्रदान' हुआ। बातचीत के दौरान पुतिन ने मध्य-पूर्व में चल रहे सशस्त्र संघर्ष को खत्म करने के लिए तेज राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के कुछ सुझाव रखे।

खाड़ी देशों और ईरान से बातचीत के बाद दिए सुझाव : उशाकोव के अनुसार, पुतिन ने ये प्रस्ताव खाड़ी देशों के नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति से हुई अपनी हाल की बातचीत के आधार पर तैयार किए थे। इन प्रस्तावों का उद्देश्य था कि अमेरिका-इज़राइल गठबंधन और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को जल्द से जल्द राजनीतिक समाधान के जरिए समाप्त किया जाए।

ट्रंप ने भी दी स्थिति की अपनी जानकारी : फोन कॉल के दौरान ट्रंप ने भी युद्ध की मौजूदा स्थिति पर अपनी राय रखी। उन्होंने यह जानकारी उस संदर्भ में दी जब अमेरिका और ढ्ढह्यह्म्ड्डद्गद्य मिलकर ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान चला रहे हैं। गौरतलब है कि इस युद्ध में ईरान को भारी नुकसान हुआ है और वह रूस का एक महत्वपूर्ण सहयोगी माना जाता है।

यूक्रेन युद्ध पर भी हुई चर्चा : इस बातचीत में यूक्रेन से जुड़े संघर्ष का मुद्दा भी उठाया गया। उशाकोव के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन से जुड़े हालात और इस मुद्दे पर चल रही अमेरिका-रूस वार्ताओं पर भी चर्चा की। पुतिन ने फोन कॉल के दौरान बताया कि रूसी सेना युद्ध क्षेत्र में आगे बढ़ रही है और कई जगह सफलता हासिल कर रही है।

पिछली बार दिसंबर में हुई थी बातचीत : यह बातचीत दिसंबर के बाद पहली बार हुई जब ट्रंप और पुतिन ने सीधे संपर्क किया। दोनों नेताओं की पिछली बड़ी मुलाकात पिछले साल अगस्त में अलास्का में आयोजित एक शिखर सम्मेलन में हुई थी।

तेल बाजार और वेनेजुएला पर भी चर्चा

कॉल के दौरान वेनेजुएलाऔर वैश्विक तेल बाजार की स्थिति पर भी बात हुई। यह चर्चा खासतौर पर दुनिया में तेल आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के संदर्भ में हुई।

बातचीत का माहौल 'खुला और व्यावसायिक : क्रेमलिन के अनुसार, पूरी बातचीत का माहौल 'खुला, स्पष्ट और व्यावसायिक' था। दोनों नेताओं ने कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने-अपने विचार साझा किए और आगे भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com